RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 157 , सोमवार, 20 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मेडिकल कॉलेज के बाद जिले के अंतिम व्यक्ति तक सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज पहुंचाना... 03

130.88 करोड़ की बेलवा–मीनापुर लिंक चैनल परियोजना का उद्घाटन, किसानों को ... 04

खुशाली कुमार ने दुल्हनिया ले आएगी को बताया अपने करियर का खास... 07

संक्षिप्त समाचार

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए केरल में छुट्टी

- आज बंद रहेंगे स्कूल,छात्रों की मांग पर सरकार का फैसला

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के सामान्य शिक्षा विभाग ने फीफा विश्व कप फाइनल के कारण सोमवार को राज्य के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है। शिक्षा विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि यह निर्णय उन छात्रों के अनुरोध पर विचार करने के बाद लिया गया जो फुटबॉल के प्रशंसक हैं और रविवार रात होने वाला विश्व कप फाइनल देखना चाहते हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह अवकाश सामान्य शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों पर लागू होगा। सामान्य शिक्षा मंत्री एन. शमसुद्दीन ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अवकाश की घोषणा की। मंत्री ने लिखा, 'बच्चों अब खुश हो?' उन्होंने कहा कि फुटबॉल प्रेमी छात्रों के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए केरल सामान्य शिक्षा विभाग ने फीफा विश्व कप फाइनल के मद्देनजर सोमवार (20 जुलाई) को विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है।

पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

- 2 साल बाद कोई टाइटल जीता,यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। 31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को

21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला। सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं। सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था।

मुंबई में राज ठाकरे के घर में घुसा बंदरों का झुंड

- भगाने के लिए पुलिस और फायर ब्रिगेड को बुलाना पड़ा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे के मुंबई स्थित आवास पर रविवार को बंदरों का एक झुंड घर के परिसर में घुस आया। अचानक बंदरों के घुस जाने से अफरातफरी का माहौल बन गया। घर के अंदर बंदरों को देख परिवार और स्टाफ के लोग घबरा गए। इसके बाद तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम से संपर्क किया

और वन्यजीवों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने के लिए सहायता मांगी। मौके पर पहुंची टीम ने बंदरों को बिना किसी नुकसान के घर से बाहर निकालने की कोशिश शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि बंदरों का झुंड घर के अलग-अलग हिस्सों में घूमता रहा जिससे कुछ समय के लिए वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। हालांकि, इस घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने या किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। फिलहाल राज ठाकरे के घर पर बंदरों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने का अभियान जारी है। मुंबई जैसे महानगर में रिहायशी इलाकों में बंदरों के घुसने की घटनाएं कम ही देखने को मिलती हैं।

26 हजार फीट ऊपर गुफा में शरीर, डीएनए से पुष्टि

माउंट एवरेस्ट पर तूफान में फंसे थे लद्दाख के दोरजे

30 साल बाद घर लौटेगा पर्वतारोही जवान का शव

लेह (एजेंसी)। माउंट एवरेस्ट की बर्फीली चोटियों पर 26,247 फीट ऊंचे 'डेथ जोन' में पिछले 30 सालों से एक पर्वतारोही का शरीर बर्फ में जमा है। पैरों में हरे जूते होने के कारण दुनिया उसे 'ग्रीन बूट्स' के नाम से जानती रही। सालों तक इसे आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल शेवांग पाल्जोर का शव माना गया, लेकिन हाल में हुए डीएनए टेस्ट से पुष्टि हुई कि यह लांस नायक दोरजे मोरुप का पार्थिव शरीर है। अब 30 साल इंतजार के बाद इस साल अक्टूबर तक लद्दाख में दोरजे के परिवार को उनका शव सौंपा जाएगा। दोरजे मोरुप, शेवांग पाल्जोर और सूबेदार शेवांग समनला 1996 में तिब्बत के उत्तरी मार्ग से एवरेस्ट फतह करने निकली पहली भारतीय तीन सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। 10 मई 1996 को शिखर के पास तीनों भीषण बर्फीले तूफान में फंस गए थे। यह अभियान बाद में 1996 माउंट एवरेस्ट डिजास्टर के नाम से जाना गया, जिसमें उस सीजन में 12 पर्वतारोहियों की मौत हुई थी।

75 वर्षीय पत्नी बोलीं-उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी

दोरजे के घर पहुंचकर उनकी पत्नी कोनचोक यांगस्किट से मुलाकात की गई। 75 वर्षीय कोनचोक अब सुन नहीं सकतीं। वह पति की पेंशन पर गुजर-बसर करती हैं। जब से बेटे फुंतसोग दोरजे ने पिता का शव लाने वाले मिशन की सूचना दी, तब से वह रो रही हैं। उन्होंने बेटे को कागज पर लिखकर दिया है कि उनकी आखिरी इच्छा एक बार पति को देखने की है। उन्होंने लिखा,उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी। दोरजे के बेटे फुंतसोग भारतीय सेना में हैं। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी से उन्हें अब तक मिशन की पूरी जानकारी नहीं मिली है। मां ने पिता के इंतजार में पूरी जिंदगी रो-रोकर बिता दी। अब उनकी आंखों में उम्मीद नजर आ रही है।

एवरेस्ट चढ़ने वालों के लिए लैंडमार्क बन गया था ग्रीन बूट्स

1996 में ब्रिटिश पर्वतारोही और फिल्ममेकर मैट डिकिन्सन ने पहली बार बर्फ में फंसे दोरजे मोरुप के शव का वीडियो रिकॉर्ड किया था। बाद में यह फुटेज समिट फीवर डॉक्यूमेंट्री में भी दिखाई गई। पैरों में पहने हरे रंग के जूतों के कारण इस शव को ग्रीन बूट्स नाम दिया गया।। यह शव एवरेस्ट के उत्तरी मार्ग पर एक छोटी गुफा में पड़ा था जो ग्रीन बूट्स गुफा नाम से मशहूर हुआ। शिखर पर जाने वाले लगभग सभी पर्वतारोही इसी रास्ते से होकर गुजरते थे। उनके लिए यह रास्ते की पहचान (लैंडमार्क) बन गया था। दोरजे का शव जिस जगह है, वह 8 हजार मीटर (करीब 26,247 फीट) से ऊपर का डेथ जोन है। यहां समुद्र तल की तुलना में सिर्फ करीब 33 फीसदी ऑक्सीजन होती है। इतनी ऊंचाई पर शरीर तेजी से जवाब देने लगता है। कोशिकाएं मरने लगती हैं। यहां हेलीकॉप्टर भी नहीं पहुंच सकते।

जम्मू कश्मीर में बादल फटे, 'प्रलय' की बारिश

11 लोगों की मौत, 2 साल के मासूम का शव निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ में शनिवार रात बादल फट गए। बाढ़-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है। पुंछ के सुरनकोट में लैंडस्लाइड से एक मकान मलबे में दब गया। उस वक्त घर में 8 लोग थे। इनमें 2 साल के बच्चे समेत 5 लोगों के शव बरामद किए गए। किश्तवाड़ के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं। उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े- खच्चरों की सेवाएं रोक दी गईं।

मुख्यमंत्री ने अपना दौरा छोटा किया

इसी बीच, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घोषणा की कि वह दिल्ली में अपना प्रवास छोटा कर रहे हैं और जमीनी स्थिति का व्यक्तिगत रूप से जायजा लेने के लिए जम्मू लौट रहे हैं। अब्दुल्ला ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मौसम विभाग द्वारा जारी मौसम चेतावनी और जम्मू डिवीजन के कुछ हिस्सों में उत्पन्न हो रही स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मैं आज दोपहर दिल्ली से जम्मू के लिए उड़ान भरूंगा, ताकि व्यक्तिगत रूप से जमीनी स्थिति का जायजा ले सकूं।

एलजी ने स्थिति की समीक्षा की

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बारिश और अचानक आई बाढ़ से प्रभावित पुंछ और राजौरी जिलों में स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत और सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिक प्रशासन, पुलिस, सेना, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और स्थानीय स्वयंसेवकों की बचाव टीमें मौके पर काम कर रही हैं, जबकि सभी विभागों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त करते हुए सिन्हा ने पुंछ के हवेली और सुरनकोट इलाकों में हुई मौतों पर गहरा दुख जताया और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता का आश्वासन दिया।

सोनम वांगचुक को इलाज के लिए उठाना गलत नहीं

- दिल्ली हाईकोर्ट बोले-प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करने से इनकार
- सरकार-पुलिस से 3 दिन में जवाब मांगा,अंतरिम आदेश नहीं दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करने की मांग फिलहाल पूरी नहीं हो सकी। दिल्ली हाई कोर्ट ने तत्काल कोई अंतरिम राहत देने से इनकार करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने तीन दिनों के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई तय की है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने वांगचुक की स्वास्थ्य

स्थिति, चिकित्सा व्यवस्था और उनके इलाज को लेकर दोनों पक्षों की दलीलें विस्तार से सुनीं। सोनम वांगचुक की पत्नी डॉ. गीतांजलि जे. आंग्मो ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर उन्हें सफदरजंग अस्पताल से डिस्चार्ज कर परिवार की पसंद के निजी अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति मांगी है। याचिका में कहा गया है कि वांगचुक को उनकी इच्छा के विरुद्ध सरकारी अस्पताल में रखा जा रहा है और परिवार का वहां दिए जा रहे इलाज पर भरोसा नहीं रह गया है।

बंगाल में पुलिस की वर्दी में चोरी हुई, मेरा ऑफिस तोड़ा

अभिषेक बोले-बीजेपी के गुंडे सामान उठा ले गए, कोलकाता हाईकोर्ट ने रोक लगाई

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में पश्चिम बंगाल पुलिस खुद कानून तोड़ने वाली बन गई है। यह बयान उन्होंने दक्षिण 24 परगना के अमतला स्थित अपने ऑफिस को तोड़े जाने के एक दिन बाद दिया। शनिवार को जिला प्रशासन ने इमारत का अगला हिस्सा बुलडोजर से गिरा दिया था। आरोप था कि यह बिना मंजूरी के बना था। हालांकि रविवार को कोलकाता हाईकोर्ट ने इस तोड़-फोड़ पर रोक लगा दी है। साथ ही इसे अगली सुनवाई तक ज्यों का त्यों रखने का आदेश

दिया है। इससे पहले इमारत तोड़ने के बाद रात का एक वीडियो अभिषेक ने सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया है। अभिषेक ने आरोप लगाया- बंगाल पुलिस बीजेपी के गुंडों के साथ मिलकर लैपटॉप, प्रिंटर, कागजात, टेबल, कुर्सियां और दूसरे फर्नीचर से भरे बक्से ले जा रही है।

राममंदिर चढ़ावा चोरी पर राहुल ने मोदी को लिखी चिट्ठी

कहा-आपकी चुप्पी स्वीकार नहीं, ट्रस्ट के खाते सार्वजनिक हों

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। खातों को सार्वजनिक किया जाए, ताकि हर भक्त जान सके कि चढ़ावे का इस्तेमाल कहां और कैसे हुआ। जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाएं, उनकी जवाबदेही तय हो। शनिवार को लिखी चिट्ठी रविवार को सामने आई। उन्होंने पीएम मोदी से कहा-आपने संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति पूरी तरह से सरकार ने की। यह बात जगजाहिर है कि ट्रस्ट के सदस्य आरएसएस, वीएचपी और उसके सहयोगियों से जुड़े हैं। पूर्व महासचिव भी आपके करीबी थे। ऐसे में आपकी चुप्पी स्वीकार नहीं है। जवाबदेही सुनिश्चित करना आपका कर्तव्य है। सरकार और ट्रस्ट की साख इसी बात पर टिकी है। इधर, आरोपी रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू और उसके

भतीजे मनीष की पुलिस कस्टडी का आज आखिरी दिन है। शनिवार सुबह साढ़े 8 बजे पुलिस दोनों को जिला जेल से अपने साथ 39 घंटे की रिमांड पर ले गई थी। पुलिसकर्मी रात 11 बजे तक अपने ऑफिस में ही मौजूद रहे। आरोपियों को कहीं और नहीं ले जाया गया। टिन्नू, पूर्व महासचिव चंपत राय का करीबी रहा है। वह मंदिर के दानपात्रों की देखरेख करता था, जबकि मनीष चढ़ावे की गिनती का काम करता था।

संघ और विहिप ने 23 जुलाई को संतों का सम्मेलन बुलाया

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बीच विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 23 जुलाई को अयोध्या की मणिराम छावनी में संतों का सम्मेलन बुलाया है। सूत्रों के मुताबिक, आरएसएस के स्वयंसेवक और वीएचपी के कार्यकर्ता श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। संभल में शनिवार को ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिममीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने यूपी सरकार पर हमला बोला।

ईरान में बड़ी तबाही मचाने की तैयारी,हालात बिगड़ने की चेतावनी

अरब देशों में अलर्ट पर 50 हजार अमरीकी सैनिक

वॉशिंगटन (एजेंसी)। यूएस सेंट्रल कमांड ने बताया है कि शनिवार को अमेरिकी सेना ने ईरान पर लगातार आठवीं रात बमबारी की है। इन हमलों में ईरान की निगरानी और एयर डिफेंस सुविधाओं, समुद्री क्षमताओं और मिसाइल-ड्रोन स्टोरेज साइटों को निशाना बनाया गया। ये हमले ईरान के जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य बेस को निशाना बनाने के बाद किए गए। जॉर्डन में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है। इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और अमेरिका ने अपने सैनिकों को अलर्ट कर दिया है। अमेरिका की इस तैयारी से युद्ध के तेजी से बढ़ने और ईरान पर ज्यादा हमलों को अंदेशा बढ़ रहा है। इजरायली वेबसाइट यरुशलम पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में यूएस सेंट्रल कमांड के हवाले से बताया है पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेना पूरी तरह से

अलर्ट पर रखे गए है। पश्चिम एशिया में अमेरिका के 50,000 से अधिक सैनिक तैनात हैं। तनाव को देखते हुए सभी सैनिक अलर्ट मोड पर हैं और आगे की किसी भी कार्रवाई के लिए तैयार हैं। अमेरिका अरब में सैनिकों के अलावा अपने फाइटर जेट की मौजूदगी बढ़ा रहा है। इसके लिए जर्मनी के स्पैंगडाहलेम एयर बेस से एफ-16 और ब्रिटेन से एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट भेजे जा रहे हैं। ये विमान इजरायल और दूसरे बेसों पर तैनात किए जाएंगे। अमेरिका से अतिरिक्त एरियल रिफ्यूलिंग (हवा में ईंधन भरने वाले) विमान भी इजरायल भेजे जा रहे हैं।

इजरायल की घटनाक्रम पर नजर

यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव पर इजरायल बारीकी से नजर रख रहा है। अमेरिकी सेना लगातार आठ रातों के हमलों के बाद नौवें दिन भी ऑपरेशन की तैयारी कर रही है। इजरायली अधिकारियों का मानना है कि फिलहाल ईरान ने उनके देश पर हमले से परहेज किया है लेकिन आने वाले दिनों में चीजें किसी भी तरफ जा सकती हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने फिलहाल इजरायल से लड़ाई से दूर रहने के लिए कहा है। इजरायल ने कथित तौर पर ईरान के खिलाफ हमलों में शामिल होने की पेशकश की थी लेकिन वॉशिंगटन ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

मानसून सत्र से पहले तीन घंटे चली सर्वदलीय बैठक

40 पार्टियां शामिल, रिजिजू बोले-सबने अपनी बात रखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके सहित 40 दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने टीएमसी के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है। उधर संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बैठक के बाद कहा कि, मीटिंग में अच्छी चर्चा हुई। सबने अपनी बात रखी। सदन बिना रुकावट चले, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी। सोमवार को अमित शाह राज्यसभा में वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात वाहन की टक्कर से शख्स की मौतःपैदल दवा लेने जाने के दौरान हादसा, महुआ-ताजपुर मार्ग पर हादसा

हाजीपुर। वैशाली में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 47 वर्षीय व्यक्ति की मृत्यु हो गई। घटना पातेपुर में महुआ-ताजपुर मार्ग पर डबैच चौक के पास हुई। मृतक की पहचान मंडईडीह वार्ड-13 निवासी लाला पासवान के रूप में हुई है। लाला पासवान शनिवार देर रात दवा लेने के लिए पैदल घर से निकले थे। डबैच चौक के पास उन्हें एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रविवार सुबह उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद से परिजनों का बुरा हाल है। इस घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने रविवार सुबह डभैच नहर के समीप महुआ-ताजपुर मार्ग को जाम कर दिया। वे मुआवजे की मांग कर रहे थे, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलने पर पातेपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम हटवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेज दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत, हाजीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड पर घटना, आत्महत्या की आशंका

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड पर एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। यह घटना 33 नंबर रेलवे फाटक के पास हुई, जहां युवक के आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान महुआ थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गांव निवासी सत्येंद्र पासवान (27) के रूप में हुई है। उसके पास से मिले आधार कार्ड से उसकी शिनाख्त हुई। सत्येंद्र सत्यनारायण पासवान के बेटे बताए जा रहे हैं। रेल पुलिस ने शव मिलने की सूचना परिजनों को दे दी है। घटना की सूचना मिलते ही रेल पुलिस (जीआरपी) मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। युवक की मौत के वास्तविक कारणों का पता पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा।

पुलिस ने अंतरजिला बकरी चोर गिरोह को दबोचा, चोरी की स्कॉर्पियो और 8 बकरियां बरामद, 4 सदस्य गिरफ्तार

हाजीपुर। हाजीपुर सदर थाना पुलिस ने गश्ती के दौरान बकरी चोरी करने वाले एक अंतरजिला गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने चोरी की एक स्कॉर्पियो और उस पर लादी गई 8 बकरियां बरामद की हैं। इस मामले में मौके से चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि गाड़ी का चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। पुलिस के अनुसार, सदर थाना की गश्ती दल ने महुआ मोड़ के पास एक तेज रफ्तार सफेद स्कॉर्पियो को रोकने का इशारा किया। हालांकि, चालक गाड़ी लेकर रामाशीष चौक की ओर तेजी से भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर दिग्गी पूर्वी में NH-22 पर चेला चौक के पास गाड़ी को ओवरटेक कर रोक लिया। गाड़ी रुकते ही चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला, लेकिन गाड़ी में सवार चार लोगों को पुलिस ने पकड़ लिया। बताया गया कि यह गिरोह विभिन्न इलाकों में लगातार बकरी चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था, जिससे किसान भी परेशान थे। पकड़े गए चोरों की पहचान पटना जिले के कन्हैया कुमार (फुलवारीशरीफ), सन्नी कुमार (सचिवालय थाना क्षेत्र), गोपी नट (गौरीचक) और बटन नट (रूपसपुर) के रूप में हुई है। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे समस्तीपुर के ताजपुर और आसपास के ग्रामीण इलाकों से बकरियां चोरी कर पटना में बेचने ले जा रहे थे। आरोपियों ने यह भी खुलासा किया कि जब्त की गई स्कॉर्पियो भी चोरी की है। फरार चालक विशाल पासवान इस गिरोह का मुख्य सदस्य है, जिसे गिरफ्तार करने के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इन चोरों ने पहले भी किन-किन इलाकों में घटनाओं को अंजाम दिया है। पुलिस द्वारा सभी बिंदुओं पर पड़ताल की जा रही है। सदर थाना प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि बकरी चोरी करने वाले गिरोह के 4 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है और फरार चालक की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

कारोबारी को हनी ट्रैप में फंसाया,97 लाख वसूले

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पटना के होटल कारोबारी को हनी ट्रैप में फंसाकर 97 लाख रुपए वसूले जाने का मामला सामने आया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल कर होटल मालिक की अश्लील फोटो बनाई गई, इसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग हुई। अहियापुर थाना क्षेत्र में एक प्रेमी-प्रेमिका ने अपने चार साथियों के साथ मिलकर होटल व्यवसायी को हनी ट्रैप का शिकार बनाया। चार किस्तों में 97 लाख वसूले गए। हालांकि, पीड़ित की सूझबूझ और नोटों से भरे बैग में छिपे एक छोटे से इलेक्ट्रॉनिक ट्रैकर की मदद से पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 20 लाख रुपये बरामद कर लिए हैं पुलिस जांच में सामने आया कि अहियापुर थाना क्षेत्र के SKMCH गेट संख्या दो के सामने रहने वाले राकेश कुमार के बेटे अभिषेक कुमार ने अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मिलकर कारोबारी को जाल में फंसाया। अभिषेक अपनी प्रेमिका के साथ अक्सर पटना के इस होटल में जाता था। इसी दौरान होटल संचालक का दोनों ने फोटो और वीडियो बना लिया। इसके बाद आरोपियों ने व्यवसायी की तस्वीरों को AI और डीपफेक तकनीक की मदद से बेहद आपत्तिजनक और अश्लील वीडियो और फोटोज में बदल दिया। अश्लील फेक फोटो और फर्जी वीडियो को सोशल मीडिया और इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी देकर आरोपियों ने एक करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की। सामाजिक प्रतिष्ठा और बदनामी के डर से कारोबारी ने अपराधियों की बात मानी। दबाव बढ़ने पर 4 किस्तों में 97 लाख रुपए दिए। पहली किस्त में 30 लाख रुपए हड़पने के बाद भी आरोपियों की डिमांड खत्म नहीं हुई और वे लगातार पैसों की डिमांड करते रहे।

पिता को कॉल कर बोली...'अब आपकी एक ही बेटी है', बूढ़ी गंडक में युवती ने लगाई छलांग

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में रविवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। सिकंदरपुर पुल से एक विवाहिता ने बूढ़ी गंडक नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्मघाती कदम उठाने से पहले उसने अपने पिता को फोन कर कहा, "पापा, अब आपकी एक ही बेटी है... मैं आत्महत्या करने जा रही हूं।" प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार दोपहर करीब 12 बजे महिला ने सिकंदरपुर पुल से बूढ़ी गंडक नदी में छलांग लगा दी। तेज बहाव में वह करीब 200 मीटर दूर आश्रम घाट तक बह गई। स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद उसे नदी से बाहर निकाला, लेकिन उसकी सांसें थम चुकी थीं। सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मृतका की पहचान हथौड़ी थाना क्षेत्र के आसमा गांव निवासी जयनंदन राम की पुत्री अंशु कुमारी के रूप में हुई है। मौसा चुलाई राम ने बताया कि रविवार सुबह अंशु घर से निकली थी। करीब 9 बजे उसने अपने पिता को आखिरी बार फोन किया था। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। परिजन उसकी तलाश में जुटे ही थे कि बूढ़ी गंडक नदी में कूदने की सूचना मिली। परिजनों के अनुसार अंशु की शादी दो वर्ष पहले बेराई गांव में हुई थी। शादी के बाद से उसका पति और ससुराल पक्ष से विवाद चल रहा था। पिछले एक महीने से अपने मायके में रह रही थी। पति से अक्सर फोन पर भी विवाद होता था। हालांकि विवाद की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। सूचना मिलने पर सिकंदरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसकेएमसीएच) भेज दिया गया। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मौत के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बूढ़ी गंडक के किनारे काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो गुटों के बीच गोलीबारी, 6 लोग घायल, मौके से 3 खोखे बरामद

एजेंसी, पटना

पटना के मनेर स्थित छिहत्तर गांव में रविवार सुबह दो गुटों के बीच मारपीट और गोलीबारी हुई। इस घटना में छह लोग घायल हो गए। जिनमें से दो को गोली लगी है। वहीं, घायलों में एक नाबालिग भी शामिल है। ग्रामीणों के अनुसार, घटना के दौरान करीब 10 राउंड फायरिंग हुई। मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें 10 से अधिक गोलियां चलने की आवाजें सुनाई दे रही हैं।

पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोखे बरामद किए हैं। घटना के बाद गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं, सिटी एसपी वेस्ट भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार, इस मामले में अब तक 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इनमें छिहत्तर गांव के वर्तमान मुखिया शैलेश कुमार भी शामिल हैं।

लड़की से छेड़खानी से जुड़ा है मामलाः यह विवाद एक महीने पहले लड़की से छेड़खानी को लेकर हुए झगड़े से जुड़ा है। जिसको लेकर लड़की पक्ष ने मनेर थाने में मामला दर्ज कराया था। वहीं आरोपी पक्ष इसको लेकर दानापुर व्यवहार न्यायलय पहुंचा था। तब पुलिस दोनों पक्षों को बीएनएस के संबंधित धारा में कार्रवाई कर नोटिस जारी करते हुए दोनो पक्षों से बॉन्ड भरवाया था।

आज कैसे बढ़ा विवादः इसी पुराने विवाद के चलते चितरंजन राय और राजू राय के बीच रविवार सुबह फिर से बहस हुई। देखते ही देखते दोनों पक्षों से 12 से ज्यादा लोग आमने-सामने आ गए और उनके बीच जमकर मारपीट और गोलीबारी हुई। हालांकि यहां यह स्पष्ट कर दें कि दोनों का लड़की के परिवार या आरोपी परिवार से कोई संबंध नहीं है, लेकिन दोनों ही लोग इस मामले में दबंगई दिखाने के कारण आपस में भिड़ गए। इस मामले में राजनीतिक विवाद की बात भी कही जा रही है। इस विवाद के बहाने वर्तमान पंचायत चुनाव की राजनीति को भी गरमाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि अभी इस बात की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। मामले में वर्तमान मुखिया को हिरासत में लिए जाने के कारण एसी बाते सामने आ रही है।

❑ पूर्व के विवाद को लेकर हुई झड़प में 10 राउंड फायरिंग

6 लोग घायल हुए, दो को गोली लगने की पुष्टिः घायलों में रुदल राय (22), संदीप कुमार (16), रणजीत राय (42), हरेंद्र राय (42), राजकुमार राय (32) और धर्मेंद्र राय (45) शामिल हैं। सभी को मनेर पीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया है।

मोके पर पहुंची पुलिसः सिटी एसपी वेस्ट संकेत कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की। थाना प्रभारी रजनीश ने बताया कि यह घटना पूर्व के विवाद को लेकर चितरंजन राय, राजू राय और संदीप कुमार राय के बीच हुई है। संदीप कुमार और रुदल राय को गोली लगने की पुष्टि हुई है। पुलिस घटनास्थल पर कैंप कर रही है।

किराना दुकान की आड़ में शराब बेचते दुकानदार गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा थाना पुलिस ने किराना दुकान की आड़ में अवैध शराब बेचने के आरोप में एक दुकानदार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दुकान पर छापेमारी कर करीब 3 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान महम्मदपुर गांव निवासी विमलेश शर्मा के रूप में हुई है।

झोले में छिपाकर रखी थी शराबः पुलिस के मुताबिक, शनिवार रात गुप्त सूचना मिली थी कि महम्मदपुर बाजार स्थित एक किराना दुकान से लंबे समय से अवैध शराब का कारोबार किया जा रहा है। सूचना के आधार पर बिहटा थाना पुलिस ने देर रात दुकान पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दुकान के अंदर एक झोले में छिपाकर रखे करीब 3 लीटर अंग्रेजी शराब के पाउच बरामद किए। मौके से दुकानदार विमलेश शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया।

जांच में सामने आया कि विमलेश शर्मा वर्ष 2021 में भी शराब बेचने के मामले में जेल जा चुका है। जेल से बाहर आने के बाद उसने दोबारा शराब का अवैध कारोबार शुरू कर दिया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया, 'पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया है कि वह उत्तर प्रदेश से शराब की खेप मंगाकर अपनी किराना दुकान से ही बिक्री करता था। पुलिस के पहुंचने से पहले वह कई ब्रांड की शराब बेच चुका था। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के आधार पर पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है और उसके अन्य साथियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

♦ बिहटा पुलिस की छापेमारी, 3 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद

पटना आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स कॉलेज में प्रैक्टिकल के सामान गायब

एजेंसी, पटना

पटना आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स कॉलेज में प्रैक्टिकल के सामान गायब और हॉस्टल जर्जर हैं। कॉलेज के बदहाल स्थिति को लेकर पटना यूनिवर्सिटी के छात्र संघ अध्यक्ष शांतनु शेखर ने सवाल उठाए हैं। वे 'आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स कॉलेज' का दौरा करने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कॉलेज के छात्रों से मुलाकात कर उनकी गंभीर समस्याओं को करीब से जाना और उनके द्वारा बनाई जा रही कलाकृतियों को देखा। इस दौरे के बाद उन्होंने कॉलेज प्रशासन और विश्वविद्यालय प्रबंधन के रवैये पर गहरी नाराजगी जाहिर की। शांतनु शेखर ने कहा, 'यह बेहद शर्मनाक और दुखद है कि बिहार के इस एकमात्र और प्रतिष्ठित कला संस्थान में छात्रों को बुनियादी सुविधाएं तक नसीब नहीं हैं। कला के क्षेत्र में राज्य का नाम रोशन करने वाले इन छात्रों के साथ प्रशासन लगातार सौतेला व्यवहार कर रहा है।'उन्होंने आगे कहा कि छात्रों के रहने के लिए बने हॉस्टल की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। रहने लायक बुनियादी सुविधाएं भी गायब हैं, जिससे छात्रों को हर दिन मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। कॉलेज के प्रिंसिपल और शिक्षकों का समय पर न आना अब एक आम बात हो चुकी है। जब गुरु ही समय के पाबंद नहीं होंगे, तो छात्रों का भविष्य कैसे सुरक्षित रहेगा?

गाड़ी ने साइकिल सवार 3 लोगों को कुचला, दादी, पिता गंभीर रूप से घायल, 5 वर्षीय बच्चे की हालत नाजुक

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत मरांची थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार अज्ञात गाड़ी ने साइकिल सवार एक ही परिवार के तीन लोगों को कुचल दिया। हादसे में दादी, पिता और 5 वर्षीय मासूम गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें दादी और पोते की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। हादसे के बाद चालक गाड़ी समेत मौके से फरार हो गया।

प्राथमिक इलाज के बाद ट्रॉमा सेंटर रेफरः मरांची थाना अध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया, 'घायल तीनों शेरपुर गांव के रहने वाले हैं। मुकेश दास अपनी मां का इलाज कराकर 5 वर्षीय बेटे के साथ साइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात गाड़ी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तीनों घायलों को मरांची प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मोकामा ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया।'

दादी और पोते की हालत गंभीरः घायल के परिजन सुशीला देवी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वे अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने कहा कि यह जानकारी नहीं है कि किस गाड़ी ने टक्कर मारी, लेकिन डॉक्टरों ने दादी और मासूम बच्चे की हालत गंभीर बताई है।

सिर में आई गंभीर चोटेंः मरांची प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. राजेंद्र नागर ने बताया कि तीनों घायलों के सिर में अंदरूनी चोटें आई हैं। सीटी स्कैन और एक्स-रे के लिए उन्हें मोकामा ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है। उन्होंने बताया कि 5 वर्षीय बच्चे की हालत बेहद नाजुक है, इसलिए उसे ऑक्सीजन सपोर्ट पर एंबुलेंस से रेफर किया गया।

फरार गाड़ी की तलाश में जुटी पुलिसः पुलिस ने अज्ञात गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर गाड़ी की पहचान और चालक की तलाश की जा रही है।

बिहार के टॉप गैंगस्टर संतोष डॉन अरेस्ट

एजेंसी, पटना

बिहार के टॉप गैंगस्टरों में शामिल संजय कुमार उर्फ संतोष यादव उर्फ संतोष डॉन को STF और पटना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गैंगस्टर की गिरफ्तारी खुसरूपुर थाना क्षेत्र से हुई है। खुसरूपुर पुलिस अब आगे की कार्रवाई में जुटी है। उसके पास से एक देसी पिस्टल, एक मैगजीन, तीन जिंदा कारतूस, एक घड़ी और 18,900रु. कैश बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, उसके खिलाफ पटना और नालंदा के कई थानों में हत्या, रंगदारी समेत अन्य गंभीर अपराधों के 31 मामले दर्ज हैं।

SDPO संजीव कुमार ने कहा कि संतोष डॉन अपने ससुराल पचरुखिया में है और किसी घटना को अंजाम देने की नीयत से घूम रहा है। इसकी सूचना मिलने के बाद विशेष टीम गठित की गई, जो NH हमजापुर से अरेस्ट किया है। दिसंबर 2025 में आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने पटना और नालंदा समेत उसके 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी। उस दौरान वह गिरफ्तारी से बचने के लिए साड़ी पहनकर फरार हो गया था। तभी से वह पुलिस की गिरफ्त से बाहर था।

25 ठिकानों पर EOU और STF ने मारा था छापाः संतोष डॉन के खिलाफ हाल ही में पटना और नालंदा स्थित 25 ठिकानों पर EOU और STF की संयुक्त टीम ने छापेमारी की थी। इस कार्रवाई के दौरान उसके चार सहयोगियों- राकेश साहू, रंजीत सिंह, शशिभूषण कुमार और रवींद्र कुमार को गिरफ्तार किया गया था। संतोष डॉन पर संगठित आपराधिक गिरोह चलाने और अवैध तरीके से करोड़ों रुपए की संपत्ति अर्जित करने का गंभीर आरोप है। संगठित आपराधिक गिरोहों पर शिकंजा कसने के लिए EOU की गठित स्पेशल सेल की यह पहली बड़ी कार्रवाई थी। इस मामले में EOU ने संतोष डॉन और उसके 26 शागिर्दों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

❑ किडनैप-हत्या से जुड़े 31 केस दर्ज, ईओयू की रेड में साड़ी पहनकर भागा था

2015 के बाद खड़ा किया करोड़ों का साम्राज्यः जांच में सामने आया है कि संतोष डॉन साल 2015 में अपराध की दुनिया में उतरा था। इससे पहले उसके पास केवल 7 कट्ठा जमीन थी, लेकिन 2017 से 2025 के बीच उसने अपने और परिजनों के नाम पर करोड़ों की जमीन रजिस्ट्री कराई है।

पुलिस के मुताबिक, उसने अपने परिजनों के नाम पर करीब 11.50 करोड़ रुपए की संपत्ति बनाई है। साथ ही गुर्गों के नाम पर भी करोड़ों की बेनामी संपत्ति खरीदी है। पटना पुलिस ने EOU को उसके खिलाफ PMLA के तहत कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा था। जिसके बाद EOU इस मामले को ED को सौंपने के लिए प्रस्ताव भेजेगी। अब अपराध से अर्जित संपत्ति को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है।

मोकामा से कौन चुनाव लड़ेगा- अनंत सिंह ने किया ऐलान

एजेंसी, पटना

मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने पहले ही कह चुके हैं अगले विधानसभा का चुनाव वो नहीं लड़ेंगे। अनंत सिंह ने अब ऐलान कर दिया है कि उनकी जगह मोकामा से चुनावी मैदान में कौन उतरेगा। अनंत सिंह ने कहा है कि उनका बड़ा बेटा अभिषेक उनकी जगह मोकामा से चुनाव लड़ेगा।

अनंत सिंह ने ये बातें बाढ़ अनुमंडल के घोसवरी प्रखंड सभागार में रविवार को जदयू कार्यकर्ता सम्मान समारोह के दौरान कही है। कार्यक्रम में उनके बड़े बेटे अभिषेक भी मौजूद थे।

अनंत सिंह ने कहा कि जनता जब भी उन्हें बुलाएगी, वह हमेशा आएंगे। मोकामा क्षेत्र की समस्याओं पर अनंत सिंह ने कहा, 'समस्याएं कभी खत्म नहीं होतीं, लेकिन उन पर लगातार काम करते रहना चाहिए। '

अभिषेक बोले- मैं अब जनता के बीच रहूंगाः अनंत सिंह के बड़े बेटे अभिषेक ने कहा, 'अगर जनता को लगेगा कि हम सक्षम हैं तो हम बिल्कुल लड़ेंगे। अभी 4-5 साल हम जनती के बीच में रहेंगे। जनता का सारा काम करेंगे और जनता का काम समझेंगे। तब उन्हें लगता है कि हममें काबिलियत है और हम सक्षम हैं तो हम बिल्कुल लड़ेंगे। मेरी प्राथमिकता मोकामा की जनता के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य है।

7 जिलों में बारिश, सीवान में अस्पताल, रक्सौल में स्कूल डूबा

एजेंसी, पटना

नेपाल में लगातार हो रही बारिश के बाद बिहार में कोसी, बागमती समेत कई नदियां उफान पर हैं। इसी बीच सीतामढ़ी के रुन्नीसैदपुर स्थित बागमती नदी में 40 लोगों से भरी एक नाव पलट गई। नाव पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद खड़का घाट पर मौजूद स्थानीय लोगों ने नदी में छलांग लगाकर यात्रियों को बचाया। कई लोग खुद तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए। गनीमत रही कि स्थानीय लोगों की तत्परता के कारण इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। रविवार को कोसी बराज के 56 में से 28 फाटक खोले गए। इससे जिले में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। बिहार में मानसून एक्टिव है। रविवार को जहानाबाद, बगहा, मधेपुरा, गोपालगंज, बक्सर,छपरा और सुपौल में बारिश हुई। लगातार बारिश के बाद बगहा के गांवों में पानी भर गया। बक्सर में कुछ घंटों की बारिश से सड़कें डूब गईं। घुटने भर पानी में लोग आने-जाने को मजबूर हैं। वहीं सीवान में बारिश के बाद सदर अस्पताल परिसर में पानी भर गया है। मौसम विभाग ने 17 जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। जबकि 20 जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। इन जिलों में आकाशीय बिजली भी गिरने की आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले 48 घंटे राज्य के अधिकतर हिस्सों में मानसून एक्टिव रहेगा। खासकर दक्षिण-मध्य बिहार के जिलों में ज्यादा असर दिखेगा।

बांकीपुर उपचुनाव में एनडीए की बड़ी जीत होगी- अशोक चौधरी

एजेंसी, पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर मंत्री अशोक चौधरी ने एनडीए की जीत का भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं और आम लोगों में जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने दावा किया कि एनडीए उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा इस बार पिछले विधानसभा चुनाव में नितिन नवीन को मिले वोटों से भी अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज करेंगे।

जनता का पूरा समर्थन NDA के साथ- अशोक चौधरीः अशोक चौधरी ने कहा, 'बांकीपुर में कहीं कोई लड़ाई नहीं है। जनता का पूरा समर्थन NDA के साथ है और चुनावी माहौल पूरी तरह उनके पक्ष में दिखाई दे रहा है। एनडीए के सभी घटक दलों के कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ चुनाव प्रचार में जुटे हैं।' मंत्री ने एनडीए उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा की सराहना करते हुए कहा, 'वह लंबे समय तक एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में पार्टी के लिए काम करते रहे हैं। बांकीपुर उपचुनाव में NDA उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा बड़ी जीत दर्ज करेंगे और यह जीत पिछले चुनाव के मुकाबले अधिक मतों के अंतर से होगी।'

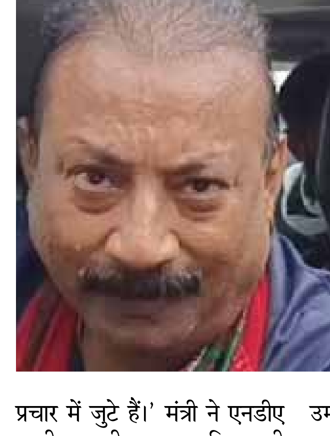

विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा- चुनावी मैदान में टिक नहीं पा रहे, बड़ी-बड़ी बातें कर रहे

एनडीए के सभी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह - अशोक चौधरीः अशोक चौधरी ने कहा, 'इस फैसले से एनडीए के सभी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह आया है। हर कार्यकर्ता को यह भरोसा मिला है कि मेहनत और समर्पण के बल पर भविष्य में वह भी विधायक या सांसद बन सकता है। यही वजह है कि सभी कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं।'

चुनावी मैदान में टिक नहीं रहे, बड़ी-बड़ी बातें कर रहे- अशोक चौधरीः विपक्ष पर निशाना साधते हुए अशोक चौधरी ने कहा, 'कुछ लोग चुनावी मैदान में मजबूती से टिक नहीं पा रहे हैं, लेकिन फिर भी बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं।' उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "जो पहलवानी में पहले ही राउंड में भाग जाता है, वही सबसे ज्यादा जोर-जोर से ताल ठोकता है।"

संक्षिप्त समाचार

पिपराकोठी में शराब कारोबारियों पर पुलिस का शिकंजा, चार महिला तस्करों समेत सात वांछित गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण पुलिस ने पिपराकोठी थाना क्षेत्र में शराब कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार महिला तस्करों सहित कुल सात वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर 18 जुलाई को विशेष छापेमारी दल का गठन कर विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की गई। गिरफ्तार सभी आरोपितों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों में मीना देवी, सुशीला देवी, शांति देवी, दीपनी देवी उर्फ रामश्री रामझरी देवी, रंजन गुप्ता, शंकर राय तथा असगर अली शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला तस्करों और एक अन्य आरोपी के विरुद्ध पहले से भी उत्पाद अधिनियम के कई मामले दर्ज हैं। मीना देवी पर पिपराकोठी थाना में उत्पाद अधिनियम के तीन, सुशीला देवी पर दो, शांति देवी पर एक तथा रंजन गुप्ता पर एक उत्पाद कांड दर्ज है। इससे स्पष्ट होता है कि ये सभी पहले से शराब तस्करी के मामलों में पुलिस के रडार पर थे। यह कार्रवाई पिपराकोठी थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित विशेष छापेमारी दल ने की। टीम में पुलिस अवर निरीक्षक शाहिल कुमार, शशि भूषण, रंजीत राम, परिवीक्षाधीन पुलिस अवर निरीक्षक राजवीर, सशस्त्र बल एवं चौकीदार शामिल थे। पुलिस ने कहा है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

तुरकौलिया में सरस्वती विद्या निकेतन का शुभारंभ, आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कारों पर रहेगा जोर

बीएनएम@ तुरकौलिया। प्रखंड क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में रविवार को सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) का शुभारंभ किया गया। श्री राजाराम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का राज्यस्तरीय उद्घाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लाइव प्रसारण के माध्यम से किया, जिसे विद्यालय परिसर में मौजूद अतिथियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने देखा। स्थानीय समारोह को संबोधित करते हुए हरसिद्धि विधायक कृष्णनंदन पासवान ने कहा कि नई शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और संस्कारों से जोड़ना है। उन्होंने विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र के विद्यार्थियों से इस अवसर का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी जितेंद्र कुमार ने कहा कि आदर्श विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होगा। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कुमारी अरुणा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की भावी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ, फलदार पौधा, अंगवस्त्र तथा श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में जिला परिषद प्रतिनिधि हेमंत किशोर वर्मा, मुखिया रामजनम पासवान, विनय कुमार, दीपक शर्मा, सुनील टाइगर, रामसकल पटेल, अजय पटेल, श्याम किशोर शर्मा, विनोद भगत, जावेद अहमद, डॉ. विनय कुमार सिंह, रोहित दूबे, डॉ. आर.के. सिंह, सरपंच पुनदेव सहनी, मनोज कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधि, शिक्षक, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिव महारुद्राभिषेक के साथ नौ दिवसीय सीताराम धुन महायज्ञ का शुभारंभ, भक्तिमय हुआ यमुना धाम

बीएनएम@ अरेराज। सिहोरवा बाज़ार बम नहर के उत्तर स्थित सुप्रतिष्ठित बाबा श्री विशेश्वर नाथ महादेव, माता पार्वती एवं हनुमान जी मंदिर (यमुना धाम) में रविवार से नौ दिवसीय 'सीताराम धुन महायज्ञ' का भव्य शुभारंभ हुआ। महायज्ञ की शुरुआत भगवान शिव के विशेष महारुद्राभिषेक एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया।

धाम के मठाधीश श्री श्री 108 श्री यमुना दास बाबा ने बताया कि वर्ष 2004 में इस पावन धाम की स्थापना की गई थी। उन्होंने नरियरवा, हरसिद्धि मुंशी बाज़ार और जगीरहाँ में भी मंदिरों की स्थापना कर अनेक महायज्ञों का सफल आयोजन कराया है। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें ईश्वरीय प्रेरणा से यमुना धाम में नौ दिवसीय सीताराम धुन महायज्ञ आयोजित करने का अवसर मिला है, जिसका विधिवत शुभारंभ किया गया। महायज्ञ में मुख्य यजमान उमेश प्रसाद गुप्ता अपने परिवार के साथ पूजा-अर्चना में शामिल हुए। यज्ञ का शास्त्रोक्त संचालन विद्वान आचार्य श्री चन्द्र किशोर तिवारी के निर्देशन में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कराया जा रहा है। महायज्ञ में क्षेत्र के कई प्रसिद्ध मंदिरों से संत-महात्माओं का आगमन हुआ है। उनके दर्शन एवं सत्संग के लिए श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ रही है। वहीं आयोजन को सफल बनाने के लिए गांव के लोग सेवा भाव के साथ विभिन्न व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

150 एमबीबीएस सीटों की मंजूरी पर आलोक शर्मा का भव्य सम्मान

मेडिकल कॉलेज के बाद जिले के अंतिम व्यक्ति तक सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज पहुंचाना लक्ष्य : आलोक शर्मा

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। भूमिहार ब्राह्मण छात्रावास (न्यास), मोतिहारी के तत्वावधान में जिले के प्रतिष्ठित शिक्षाविद, एसएनएस विद्यापीठ के अध्यक्ष एवं भूमिहार ब्राह्मण छात्रावास न्यास के अध्यक्ष आलोक शर्मा का भव्य सम्मान समारोह राय हरिशंकर शर्मा सभागार में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता राय सुंदर देव शर्मा ने की। यह सम्मान समारोह विराट रामायण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज कॉलेज एंड हॉस्पिटल को राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद (NMC) से 150 एमबीबीएस सीटों की मान्यता मिलने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजेश कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन राकेश मिश्रा ने प्रस्तुत किया। समारोह में जिले के शिक्षाविदों, समाजसेवियों एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने आलोक शर्मा को अंगवस्त्र, पुष्पमालाओं एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। पूर्व मुखिया विनय सिंह द्वारा तैयार कराई गई एक क्विंटल फूलों की विशाल माला से भी उनका अभिनंदन किया गया, जो समारोह का विशेष आकर्षण रहा। इस अवसर पर राय सुंदर देव शर्मा, डॉ. सी.बी. सिंह, चंद्रभूषण पांडे, पूर्व प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार, अजय देव, ललन राय, मोहन सिंह, मिथिलेश सिंह, उमेश ठाकुर, ललन शुक्ला, प्रो. अखिलेश सिंह, टुन्नी सिंह, उपेंद्र पांडे, कुमार केशवम, ऋषि सिंह, नीरज शर्मा, रामाकांत पांडे, नगर निगम वार्ड पार्षद राय रोहित शर्मा, अंकित सिंह, रेणु ठाकुर, हरि सिंह, रिपू सिंह, प्रेम सिंह, विनय कुमार सिंह, राजा ठाकुर एवं डॉ. अमरेश महर्षि सहित सैकड़ों लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वक्ताओं ने कहा कि आलोक शर्मा द्वारा स्थापित करीब तीन दर्जन शिक्षण संस्थानों ने पूर्वी चंपारण ही नहीं, पूरे बिहार के हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने जिले में भविष्य में एक डीम्ड यूनिवर्सिटी की स्थापना की भी मांग उठाई। अपने संबोधन में आलोक शर्मा ने कहा कि उन्हें मिली हर सफलता समाज और शुभेच्छुओं के सहयोग एवं प्रेरणा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल मेडिकल कॉलेज की स्थापना तक सीमित नहीं है, बल्कि जिले के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि समाज के सहयोग से यह लक्ष्य भी शीघ्र पूरा होगा। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने मेडिकल कॉलेज को मिली मान्यता को पूर्वी चंपारण के शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

13 संगीन मामलों का आरोपी अवधेश साह पुलिस के शिकंजे में, स्पीडी ट्रायल के तहत हुई गिरफ्तारी

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस ने स्पीडी ट्रायल से जुड़े एक वांछित अभियुक्त अवधेश साह को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त रामविलास साह का पुत्र एवं कसवा कदमवा, थाना घोड़ासहन का निवासी है। पुलिस ने उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अवधेश साह का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध घोड़ासहन, रक्सौल एवं चकिया थाना में दर्ज कुल 13 आपराधिक कांडों में हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, लूट, हथियार अधिनियम, आपराधिक साजिश, घर में घुसकर हमला और धमकी जैसे गंभीर आरोप दर्ज हैं। अभियुक्त के विरुद्ध घोड़ासहन थाना के कांड संख्या 232/2015, 220/2014, 492/2017, 556/2017, 287/2018, 389/2018, 422/2019, 92/2019, 291/2020, 115/2019 एवं 276/2025 के अलावा रक्सौल थाना कांड संख्या 155/2014 तथा चकिया थाना कांड संख्या 90/2019 दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि स्पीडी ट्रायल से संबंधित मामलों में अभियुक्त की गिरफ्तारी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उससे पूछताछ की जा रही है तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई जारी है।

केंद्रीय कारा मोतिहारी में बंदियों को प्ली बार्गेनिंग और अपराधों के समझौते की दी गई कानूनी जानकारी

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में रविवार को केंद्रीय कारा, मोतिहारी में प्ली बार्गेनिंग एवं अपराधों के समझौते विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डीएलएसए की पैनल अधिवक्ता मोनिबाला सिंह एवं पैरालीगल वॉलेंटियर (पीएलवी) रमाकांत ने बंदियों को प्ली बार्गेनिंग की प्रक्रिया, इसके कानूनी प्रावधान, लाभ तथा इसके माध्यम से शीघ्र न्याय प्राप्त करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही यह भी बताया गया कि किन मामलों में अपराधों का समझौता संभव है और उससे संबंधित कानूनी प्रावधान क्या हैं। कार्यक्रम में करीब 100 बंदियों ने भाग लिया। बंदियों ने कानूनी जानकारी को गंभीरता से सुना और अपनी विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान भी कराया। इस अवसर पर केंद्रीय कारा के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने ऐसे विधिक जागरूकता कार्यक्रमों को बंदियों के लिए उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताते हुए इसकी सराहना की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि बंदियों को उनके अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता तथा न्यायिक प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार के जागरूकता शिविर आयोजित किए जाते हैं, ताकि वे उपलब्ध कानूनी सुविधाओं का प्रभावी लाभ उठा सकें।

एसआरआर विद्यालय में पुस्तकालय का शुभारंभ, छात्रों को मिली ज्ञान का नया केंद्र

बीएनएम@ तुरकौलिया

एसआरआर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, तुरकौलिया के छात्र-छात्राओं को अब विद्यालय परिसर में ही पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध होगी। जिला परिषद प्रतिनिधि के सहयोग से निर्मित पुस्तकालय का उद्घाटन रविवार को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी जितेंद्र कुमार, जिला परिषद प्रतिनिधि हेमंत किशोर वर्मा, प्रधानाध्यापिका कुमारी अरुणा एवं मुखिया सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पुस्तकालय किसी भी विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम होता है। इससे विद्यार्थियों में अध्ययन की रुचि बढ़ेगी और उन्हें पाठ्यपुस्तकों के साथ-साथ अन्य ज्ञानवर्धक पुस्तकों तक भी आसानी से पहुंच मिलेगी। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी जितेंद्र कुमार ने कहा कि आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में पुस्तकालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुस्तकालय शुरू होने से विद्यार्थियों को स्वाध्याय का बेहतर अवसर मिलेगा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने छात्रों से नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग करने और पुस्तकों को अपना सबसे अच्छा मित्र बनाने की अपील की। प्रधानाध्यापिका कुमारी अरुणा ने कहा कि विद्यालय में लंबे समय से पुस्तकालय की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसके शुरू होने से विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण और अधिक समृद्ध होगा। वहीं जिला परिषद प्रतिनिधि हेमंत किशोर वर्मा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है और आगे भी विद्यालयों के विकास के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर मुखिया रामजनम पासवान, मुखिया संघ अध्यक्ष सुनील कुमार, सरपंच पुनदेव सहनी, मनोज कुमार, प्रिंस कुमार सहित विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चकिया में अवैध कारतूस फैक्ट्री का भंडाफोड़, मास्टरमाइंड समेत चार गिरफ्तार; भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस ने अवैध हथियार कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चकिया थाना क्षेत्र के ओझा टोला स्थित एक किराये के मकान में संचालित अवैध कारतूस (बुलेट) निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने फैक्ट्री के मास्टरमाइंड समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार करते हुए भारी मात्रा में जिंदा कारतूस, खोखे, देशी कट्टे, हथियार निर्माण उपकरण और रसायन बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चकिया संतोष कुमार सिंह एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पकड़ीदयाल कुमार चंदन के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने 18/19 जुलाई की रात संयुक्त छापेमारी कर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार मास्टरमाइंड श्रीकांत सिंह, पिता रामाधार सिंह, निवासी विशुनपुर मड़पा थाना फेनहारा, किराये के मकान में अवैध कारतूस निर्माण का काम कर रहा था। उसके साथ कारतूस के भंडारण, परिवहन और बिक्री में शामिल रामबाबू पासवान, बली आलम उर्फ मुन्ना तथा रहमत मियां को भी गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान रामबाबू पासवान के घर से 130 जिंदा कारतूस तथा रहमत मियां के घर से 34 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो देशी कट्टे, 205 जिंदा कारतूस, एक 7.62 एमएम का जिंदा कारतूस, 1,063 खोखे, 303 पिलेट, सात अर्धनिर्मित मैगजीन, दो अर्धनिर्मित बैरल, पंचिंग मशीन, ड्रिल मशीन, लेथ मशीन तथा नाइट्रिक एसिड, सल्फ्यूरिक एसिड, रेड फॉस्फोरस, सेलूलोज सहित कारतूस निर्माण में प्रयुक्त बड़ी मात्रा में रसायन एवं अन्य सामग्री बरामद की है। गिरफ्तार अभियुक्तों में श्रीकांत सिंह, रामबाबू पासवान, बली आलम उर्फ मुन्ना तथा रहमत मियां शामिल हैं। पुलिस ने इस मामले में चकिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही गिरोह के अन्य सदस्यों और हथियार तस्करी के नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। इस छापेमारी अभियान में एसडीपीओ चकिया संतोष कुमार सिंह, एसडीपीओ पकड़ीदयाल कुमार चंदन, अंचल निरीक्षक धीरज कुमार, चकिया थानाध्यक्ष धर्मप्रकाश कुमार, मेहसी थानाध्यक्ष सानू गौरव, गड़हिया बाजार थानाध्यक्ष आदित्य कुमार, मधुबन थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार पांडेय, फेनहारा थाना के अपर थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार पासवान, चकिया थाना के अपर थानाध्यक्ष शिवनाथ मांझी सहित जिला आसूचना इकाई (डीआईयू) और चकिया, मेहसी, मधुबन, गड़हिया बाजार एवं फेनहारा थाना की पुलिस टीम शामिल रही।

ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण की मांग को लेकर आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

बीएनएम@ मोतिहारी

चंपारण के युवाओं एवं छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत स्व-पोषित संस्था आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को संस्थापक क़फ़ील अहमद आज़ाद के नेतृत्व में पूर्वी चंपारण के नवपदस्थापित जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव से उनके कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी का स्वागत करते हुए जिले की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण एवं विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। संगठन की ओर से पत्रांक AYO/2026/08 के माध्यम से दिए गए ज्ञापन में मोतिहारी स्थित विश्व प्रसिद्ध साहित्यकार जॉर्ज ऑरवेल स्मारक के लंबित जीर्णोद्धार कार्य को शीघ्र पूरा कराने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि यह मामला पूर्व जिलाधिकारी के कार्यकाल से जिला सामान्य शाखा में लंबित है। ज्ञापन में गांधी चौक स्थित राष्ट्रीय प्रतीक (अशोक स्तंभ) की जर्जर स्थिति पर भी चिंता व्यक्त करते हुए उसके अविलंब जीर्णोद्धार की मांग की गई। संगठन का कहना है कि इससे राष्ट्रीय धरोहर और चंपारण की ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित रखा जा सकेगा। संगठन के संस्थापक क़फ़ील अहमद आज़ाद ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि जिलाधिकारी युवाओं की सकारात्मक मुहिम "सजग छात्र, सक्रिय युवा, समर्थ समाज" को ध्यान में रखते हुए ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और विकास के लिए आवश्यक प्रशासनिक पहल करेंगे। इस अवसर पर संगठन के सदस्य अल्तमश, इमरान सहित अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

फरार अपराधियों पर हरसिद्धि पुलिस का शिकंजा, हत्या कांड के मुख्य आरोपी के घर कुर्की; दो वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि

फरार अपराधियों और न्यायालय से निर्गत कुर्की वारंटियों के खिलाफ हरसिद्धि थाना पुलिस ने शनिवार को महा कुर्की अभियान चलाकर कई स्थानों पर कार्रवाई की। अभियान के दौरान हत्या कांड के मुख्य आरोपी के घर कुर्की की गई, दो कुर्की वारंटियों को गिरफ्तार किया गया तथा अन्य फरार अभियुक्तों के घरों पर भी न्यायालय के आदेश के तहत कुर्की की कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 245/26 (हत्या कांड) के मुख्य नामजद अभियुक्त असलम मियां, पिता सोबराती मियां, निवासी दक्षिण छतवनिया मठलोहियार के घर न्यायालय के आदेश पर विधिवत कुर्की की गई है। साथ ही उसके बैंक खातों को फ्रीज कराने के लिए संबंधित बैंक शाखा को पत्र भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि एसीजेएम-6, मुंगेर से निर्गत डी.बी. नंबर 154/2025 के कुर्की वारंटी डॉ. जाकिर हुसैन, पिता स्वर्गीय आस मोहम्मद, निवासी बनछीहुली के घर पर भी विधिवत कुर्की की कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि महा कुर्की अभियान के दौरान न्यायालय से निर्गत टी.आर. नंबर 1671/25 के कुर्की वारंटी धुरंधर सिंह, पिता जमुना सिंह, निवासी हंसुआहा तथा टी.आर. नंबर 118/26 के कुर्की वारंटी जूना सिंह, पिता वृक्षा सिंह, निवासी पानापुर को कुर्की के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा टी.आर. नंबर 1644/23 के कुर्की वारंटी रैबुद्दीन मियां, पिता अख्तर मियां, निवासी मठलोहियार तथा टी.आर. नंबर 1558/25 के कुर्की वारंटी विश्वनाथ साहनी, पिता अमरीका साहनी, निवासी रंजिता कथैया टोला, पानापुर रंजिता के घर पर भी न्यायालय के आदेश के तहत कुर्की की कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि फरार अपराधियों और न्यायालय से निर्गत वारंटियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा कानून से बचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला के 28 मॉडल स्कूलों का शुभारंभ, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का नया अध्याय शुरू : डीएम

जिला स्कूल मोतिहारी बना आदर्श विद्यालय, स्मार्ट क्लास, आधुनिक लैब और उत्कृष्ट शिक्षकों से मिलेगी नई पहचान

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण सहित पूरे बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल के तहत 551 सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) का शुभारंभ किया गया। राज्य के बेगूसराय जिला से आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वर्चुअल माध्यम से इन विद्यालयों का उद्घाटन रविवार को किया। पूर्वी चंपारण में 27 प्रखंडों के साथ जिला स्कूल मोतिहारी सहित कुल 28 आदर्श विद्यालय स्थापित किए गए। वहीं जिला स्कूल मोतिहारी में आयोजित मुख्य समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि ये विद्यालय आधुनिक, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के केंद्र बनेंगे। यहां विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास, अत्याधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाएं और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि उत्कृष्ट शिक्षकों का चयन उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा किया गया है। डीएम श्री यादव ने कहा कि बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत स्थापित ये मॉडल विद्यालय कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को नवाचार आधारित शिक्षा उपलब्ध कराएंगे। साथ ही ये विद्यालय आसपास के सरकारी स्कूलों के लिए शैक्षणिक मार्गदर्शन एवं संसाधन-साझेदारी के केंद्र के रूप में भी विकसित होंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा को गंभीरता से लेने, मोबाइल फोन से दूरी बनाने तथा कौशल और हुनर विकसित कर देश व राज्य के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी युवा आबादी देश की सबसे बड़ी ताकत है और बिहार के युवा बेहतर शिक्षा के बल पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी, उप महापौर लालबाबू प्रसाद गुप्ता, वार्ड पार्षद रीना झा, जिला स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। मॉडल स्कूल घोषित होने से विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखा गया। कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी ने जिला स्कूल परिसर में वृक्षारोपण किया तथा फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी लैब और कंप्यूटर कक्ष का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

संक्षिप्त समाचार

प्रशांत किशोर का भाजपा पर हमला, बोले, "पूरी भाजपा थर-थर कांप रही है"

बीएनएम@ पटना। बिहार की चर्चित बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। मतदान से पहले सभी प्रमुख दलों ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। इसी बीच जन सुराज के उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि उनकी उम्मीदवारी से भाजपा पूरी तरह घबराई हुई है। प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज का न तो बड़ा संगठन है और न ही बांकीपुर में वर्षों से राजनीतिक ढांचा रहा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा अपने "किले" को बचाने के लिए पूरी ताकत लगा रही है। उन्होंने कहा, "एक जन सुराज, जिसका कोई बड़ा संगठन नहीं है, सिर्फ एक उम्मीदवार मैदान में उतरा है और पूरी भाजपा थर-थर कांप रही है। हजारों कार्यकर्ताओं और मंत्रियों को चुनाव प्रचार में लगाया गया है।" उन्होंने आरोप लगाया कि जिन इलाकों में भाजपा के नेता पहले कभी वोट मांगने नहीं जाते थे, वहां अब मंत्री और वरिष्ठ नेता घर-घर जाकर लोगों से समर्थन मांग रहे हैं। उनके मुताबिक यह बदलाव इस बात का संकेत है कि जनता के सामने अब एक मजबूत राजनीतिक विकल्प मौजूद है। वहीं दूसरी ओर भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं ने अपनी जीत का भरोसा जताया है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि बांकीपुर भाजपा की मजबूत सीट रही है और इस बार भी पार्टी शानदार जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि पूरा एनडीए एकजुट होकर चुनाव लड़ रहा है और जनता भाजपा के साथ है। उन्होंने पूर्व विधायक नितिन नबीन के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता पूरी मजबूती से चुनाव मैदान में जुटे हैं। गौरतलब है कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए 30 जुलाई को मतदान होगा, जबकि 3 अगस्त को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे।

पटना में ताबड़तोड़ फायरिंग, मनेर में दो लोगों को लगी गोली, 6 लोग घायल, इलाके में दहशत

बीएनएम@ पटना। पटना से सटे मनेर थाना क्षेत्र के छिहत्तर गांव में रविवार की सुबह पुरानी अदावत ने खूनी शक्ल अख्तियार कर ली। छेड़खानी के एक महीने पुराने विवाद ने ऐसा सियाह मोड़ लिया कि देखते ही देखते दो गुट आमने-सामने आ गए। पहले लाठी-डंडे चले, फिर ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू हो गई। इलाके में करीब 8 से 10 राउंड फायरिंग होने की चर्चा है। इस खूनी संघर्ष में दो लोगों को गोली लगी, जबकि कुल छह लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है और पुलिस ने इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, करीब एक माह पहले गांव में एक छेड़खानी के मामले को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था, जिसकी प्राथमिकी भी थाने में दर्ज है। उसी रंजिश की चिंगारी रविवार की सुबह फिर भड़क उठी। बताया जा रहा है कि चितरंजन राय और राजू राय पक्ष के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। दोनों ओर से दर्जनों लोग मैदान में उतर आए और मारपीट के साथ गोलियां भी चलने लगीं। इस गोलीबारी और मारपीट में रुदल राय (22 वर्ष), संदीप कुमार (16 वर्ष), रंजीत राय (42 वर्ष), हरेंद्र राय (42 वर्ष), राजकुमार राय (32 वर्ष) और धर्मेंद्र राय (45 वर्ष) घायल हो गए। इनमें संदीप कुमार और रुदल राय को गोली लगने की सूचना है। सभी घायलों को पहले मनेर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही सिटी एसपी (पश्चिम) संकेत कुमार मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोखे बरामद किए हैं। पूरे गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि किसी भी तरह की दूसरी वारदात को रोका जा सके।

हुनर को मिलेगी नई उड़ानः तकनीकी दक्षता के लिए जीविका दीदियों को मिलेगी खास ट्रेनिंग

विशेषज्ञों की टीमें दे रहीं दीदी की रसोई, नर्सरी और सिलाई-कढ़ाई से लेकर तकनीकी दक्षता तक का प्रशिक्षण

बीएनएम@ पटना। राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों का विकास और यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है। इसमें सबसे अहम भूमिका निभाने वाली जीविका दीदियों को उनके कार्य कौशल में अधिक दक्ष बनाने के लिए विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मेहनत के बलबूते अलग-अलग उत्पाद तैयार करने वाली दीदियों के हुनर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त पहचान दिलाने में खासा मदद मिलेगी।राज्य में सक्रिय करीब 13 लाख स्वयं सहायता समूहों से एक करोड़ 81 लाख से भी ज्यादा दीदियां जुड़ी हुई हैं। यानी प्रत्येक समूह से कम से कम 10-12 की संख्या में यह दीदियां जुड़कर जीविकोपार्जन से संबंधित अलग-अलग गतिविधियां संचालित कर रही हैं। इनमें मुख्य रूप से सिलाई-कढ़ाई, रसोई, लाइब्रेरी, नर्सरी आदि संचालन का पूरा कार्यभार इन दीदियों ने संभाल रखा है। ग्रामीण विकास के साथ दूसरे विभागों के आपसी सहयोग में आने वाले दिनों में राज्य के प्रत्येक ग्राम पंचायत में इन दीदियों को डेयरी संचालन की भी जिम्मेदारी सौंपने की तैयारी की जा रही है। जीविका दीदियों के द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पाद और उसकी उचित बाजार तक पहुंच सुनिश्चित कराने की मंशा से ग्रामीण विकास विभाग लगातार योजनाओं पर काम कर रहा है।

पुल से नदी में जान देने कूदी महिला, ग्रामीण की बहादुरी ने बचाई जिंदगी

बीएनएम@ पश्चिम चंपारण। मझौलिया थाना क्षेत्र में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब पिपरपाती पुल से एक महिला ने अचानक नदी में छलांग लगा दी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। हर कोई सहमा हुआ था, लेकिन इसी बीच एक ग्रामीण ने अपनी जान की परवाह किए बिना ऐसा जांबाज़ कदम उठाया, जिसने महिला को मौत के मुंह से खींच लाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला के नदी में छलांग लगाते ही पुल पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। तेज बहाव और गहराई को देखकर अधिकांश लोग असहाय नजर आए। तभी बढ़ईया गांव निवासी असफाक आलम अपने साथियों के साथ बिना एक पल गंवाए नदी में कूद पड़े। तेज धारा से जूझते हुए वे महिला तक पहुंचे और उसे सुरक्षित पकड़कर बाहर निकाल लिया।

मलाही में 'सरस्वती विद्या निकेतन' का शुभारंभ, बीईओ बोले- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से संवरता है समाज का भविष्य

बीएनएम@ अरेराज

प्रखंड के मलाही गांव में गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय)' का विधिवत शुभारंभ किया गया। विद्यालय का उद्घाटन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) सत्यवीर सुमन ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर शिक्षा के प्रति उत्साह और सामाजिक सहभागिता का प्रेरणादायी माहौल देखने को मिला। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए बीईओ सत्यवीर सुमन ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और आधुनिक शिक्षा से भी जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन की पहल की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि यह संस्थान क्षेत्र के बच्चों के

लिए उत्कृष्ट शिक्षा का केंद्र बनेगा। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की नियमित पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने तथा शिक्षकों से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी मिलकर प्रयास करते हैं, तभी शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य पूरा होता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार ने अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया तथा संस्थान की शैक्षणिक योजनाओं, अनुशासन व्यवस्था और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। अभिभावकों ने विद्यालय की स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए दूर-दराज के विद्यालयों का रुख नहीं करना पड़ेगा। इस अवसर पर उप प्रमुख माधव सिंह, प्रधानाध्यापक श्यामनंदन, किशोर, मिंटू कुमार मिश्रा, आदर्श कुमार, रामबाबू दास, मातवर कुमार, प्रिंस कुमार सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने गुणवत्तापूर्ण, संस्कारयुक्त और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के अपने संकल्प को दोहराते हुए क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपील की।

सीतामढ़ी में बागमती में पलटी ओवरलोड नाव, ग्रामीणों ने बचाई 40 यात्रियों की जान

बीएनएम@ सीतामढ़ी

खड़का घाट पर बागमती नदी पार करने के दौरान एक बड़ा नाव हादसा होते-होते टल गया। क्षमता से अधिक करीब 35 से 40 यात्रियों को लेकर जा रही एक नाव अचानक नदी की बीच धारा में असंतुलित होकर पलट गई। नाव पलटते ही घाट पर चीख-पुकार मच गई और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। हालांकि, हादसे के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों और वहां मौजूद लोगों ने कमाल की तत्परता दिखाई। बिना समय गंवाए स्थानीय युवकों ने नदी में छलांग लगा दी और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। ग्रामीणों की सूझबूझ और बहादुरी से नाव पर सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के भी हताहत होने या डूबने की सूचना

नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नाव पर उसकी निर्धारित क्षमता से कहीं ज्यादा लोग सवार थे। जैसे ही नाव नदी के बीचो-बीच पहुंची, यात्रियों का संतुलन बिगड़ गया और अत्यधिक भार (ओवरलोडिंग) के कारण नाव पलट गई। पानी में गिरते ही कई लोग डूबने लगे, जबकि कुछ यात्रियों ने पलटी हुई नाव को पकड़कर खुद को बचाने की कोशिश की, जिन्हें बाद में सुरक्षित किनारे लाया गया। इस घटना को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है।

दहशत : गंडक दियारा क्षेत्र में लगातार बारिश से बढ़ी बाढ़ की आशंका

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल अंतर्गत गंडक पार के समेत दियारा इलाके में शनिवार देर रात से लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर बाढ़ की आशंका बढ़ा दी है। लगातार वर्षा के कारण दियारा क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल है और ग्रामीण संभावित बाढ़ को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। रविवार सुबह वाल्मीकिनगर गंडक बैराज से करीब 1 लाख 33 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। हालांकि फिलहाल जलस्तर नियंत्रित बताया जा रहा है, लेकिन लगातार बारिश के चलते नदी का जलस्तर बढ़ने की संभावना बनी हुई है। इस बीच धनहा गौतम बुद्ध सेतु के अगले एवं निचले हिस्से के दियारा क्षेत्र में गंडक नदी का पानी फैलना शुरू हो गया है। इसके कारण मधुबनी प्रखंड की सिसई एवं चिउरही पंचायत में एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। स्थानीय लोग स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। चिउरही पंचायत

के मुखिया विजय यादव ने बताया कि हाल ही में बाढ़ का पानी गांवों और लोगों के घरों से निकला था। इसके बाद ग्रामीणों ने अपने घरों की साफ-सफाई कर सामान्य जीवन शुरू किया था। लेकिन लगातार हो रही बारिश से लोगों की चिंता फिर बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा और नदी का जलस्तर बढ़ा, तो सिसई एवं चिउरही पंचायत के कई गांव दोबारा बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थिति पर लगातार निगरानी रखने और संभावित बाढ़ को देखते हुए आवश्यक तैयारी करने की मांग की है, ताकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित किए जा सकें।

130.88 करोड़ की बेलवा–मीनापुर लिंक चैनल परियोजना का उद्घाटन, किसानों को सिंचाई और बाढ़ से राहत की सौगात

बीएनएम@ शिवहर

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को शिवहर जिले के बेलवा घाट पहुंचकर 130 करोड़ 88 लाख 57 हजार रुपये की लागत से निर्मित बहुप्रतीक्षित बेलवा–मीनापुर लिंक चैनल परियोजना का विधिवत उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री दो हेलीकॉप्टरों से मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने लिंक चैनल के गेट का उद्घाटन कर परियोजना को जनता को समर्पित किया। उद्घाटन के बाद लिंक चैनल का गेट खोला गया, जिससे बागमती नदी का पानी उसकी पुरानी धारा की ओर प्रवाहित किया गया। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य बाढ़ की समस्या को कम करना और किसानों को वर्षभर सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना है। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि शिवहर लंबे समय से बाढ़ की विभीषिका झेलता रहा है। बरसात के मौसम में बागमती नदी से होने वाले नुकसान को देखते हुए नदियों को जोड़ने की इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत की गई थी। उन्होंने कहा कि लिंक चैनल के संचालन से बाढ़ के दबाव में कमी आएगी और किसानों को खेती के लिए पर्याप्त सिंचाई सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि यह परियोजना शिवहर समेत आसपास के क्षेत्रों के किसानों के लिए वरदान साबित होगी और कृषि उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, बिहार सरकार की मंत्री एवं शिवहर विधायक डॉ. श्वेता गुप्ता, सांसद लवली आनंद, पूर्व सांसद रमा देवी सहित विभिन्न विभागों के प्रधान सचिव, मुख्य सचिव और कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत

मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप

बीएनएम@ बैरिया

पश्चिम चंपारण के बैरिया प्रखंड अंतर्गत तधवा कांही टोला वार्ड संख्या-01 से एक विवाहिता की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान 27 वर्षीय मनीषा कुमारी के रूप में हुई है। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। मृतका के भाई ने बताया कि शाम करीब 5 बजे उनके पास बहनोई संतोष पटेल का फोन आया। उनके अनुसार, संतोष पटेल ने बताया कि मनीषा की हत्या हो गई है। जब उन्होंने पूछा कि हत्या किसने की, तो कथित रूप से संतोष ने कहा कि उसके माता-पिता ने ही इस घटना को अंजाम दिया है। परिजनों का आरोप है कि मनीषा करीब चार महीने पहले ससुराल से मायके आई थी। भाई का कहना है कि उनकी बहन की योजनाबद्ध तरीके से हत्या की गई है। वहीं, परिजनों के अनुसार संतोष पटेल ने यह भी बताया कि जब उसने अपने पिता हीरा लाल पटेल से पत्नी की मौत के बारे में पूछा, तो

कथित रूप से उसे भी जान से मारने की धमकी दी गई।बताया जा रहा है कि मनीषा कुमारी के दो छोटे बेटे हैं। घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है और परिजन दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल, पुलिस की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

मोहिउद्दीननगर में सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूल का शुभारंभ

» विधायक बोले– गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही बनेगा विकसित बिहार

बीएनएम@ समस्तीपुर

राज्यकृत उच्च माध्यमिक विद्यालय, मोहिउद्दीननगर परिसर में रविवार को सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूल का विधिवत शुभारंभ स्थानीय विधायक राजेश कुमार सिंह एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सृष्टि सागर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक राजेश कुमार सिंह ने की, जबकि संचालन शिक्षक ज्ञानेश्वर कुमार ने किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक राजेश कुमार सिंह ने कहा कि बिहार सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि आज पूरे राज्य में 551 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूलों का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा कि इन विद्यालयों का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक, संस्कारयुक्त एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सृष्टि सागर

ने विद्यार्थियों से अनुशासन, नियमित अध्ययन और नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा पास करने का माध्यम नहीं, बल्कि बेहतर समाज और सशक्त राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। विभाग विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव सहयोग करेगा। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक शत्रुधन, जदयू प्रखंड अध्यक्ष अमित कुमार 'गुल्लू', लोजपा (रा.) प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र पासवान, मुखिया सुरेंद्र राय, सरपंच गुरु प्रकाश शाह, विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्य, शिक्षक दीपक कुमार, राजेश कुमार, देवेंद्र कुमार, दीपेश कुमार, तेज नारायण सिंह, मनोज कुमार, अनिल कुमार सिंह, मधुमाला कुमारी, ज्ञानेश्वर कुमार, कुमार ज्योति, मुकेश कुमार मणि एवं संदीप यादव सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फिरौती के लिए अपहृत युवक सकुशल बरामद, दो अपहरणकर्ता गिरफ्तार

बीएनएम@ विक्की विजेंद्र

घोड़ासहन, पूर्वी चम्पारण। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फिरौती के लिए अपहृत युवक साहेब कुमार को सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में पुलिस ने दो शातिर अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल की गई गाड़ी और दो धारदार चाकू बरामद किए गए हैं। दरअसल, घोड़ासहन थाना क्षेत्र के गोबरिया टोला निवासी एक महिला ने पुलिस को आवेदन देकर बताया था कि उसके बेटे साहेब कुमार का अपहरण कर लिया गया है। अपहरणकर्ताओं ने युवक की जान बख्शने के एवज में परिजनों से एक लाख रुपये की फिरौती की मांग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए घोड़ासहन पुलिस ने कांड संख्या 289/26 दर्ज कर जांच शुरू की। प्राथमिक जांच और वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान के दौरान पुलिस को पता चला कि मोबाइल छीनने को लेकर हुए पुराने विवाद के

चलते अवधेश गुप्ता के गैंग ने साहेब कुमार का अपहरण किया था। इसके बाद गैंग के सदस्य लगातार पीड़ित के परिजनों से फिरौती की मांग कर रहे थे। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर त्वरित छापेमारी की और साहेब कुमार को सकुशल बरामद कर लिया। मौके से गैंग के दो सक्रिय सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चन्द्रकिशोर प्रसाद, पिता मामीला महतो, निवासी भवनारी, थाना आदापुर और कमलेश कुमार, पिता रामचंद्र दास, निवासी घोड़ासहन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल की गई गाड़ी और दो धारदार चाकू बरामद किए हैं। वहीं, गैंग के सरगना अवधेश गुप्ता और अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का

अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का है। क्या वे साबित करेंगी कि अनुबंधों में शामिल शर्तों का कुछ अर्थ होता है? अथवा, ऐसी शर्तों को ठेंगे पर रखने की प्रवृत्ति बढ़ाने में वे सहायक बनेंगी? केरल के विझिंजम इंटरनेशनल पोर्ट को लेकर उठा विवाद इस बात की मिसाल है कि भारत में एकाधिकारी पूंजीपति अब किस हद तक राजसत्ता को अपनी मु_ी में मानने लगे हैं। घटनाक्रम अपने-आप में सारी कहानी बता देता है। विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का निर्माण अडानी समूह ने किया। कुछ रोज पहले खबर आई कि इस ग्रुप ने इस बंदरगाह में अपनी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी (लगभग 12,000 करोड़ रुपये में) स्विट्जरलैंड की मेडिटेरिनियन शिपिंग कंपनी को बेच दी है। इस पर केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने अचरज जताया। कहा कि अडानी समूह ने राज्य सरकार को बिना सूचित किए इस बड़े सौदे की सार्वजनिक घोषणा कर दी है। जबकि अडानी समूह को परियोजना का निर्माण कार्य इस शर्त पर सौंपा गया था कि 25 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सेदारी बेचने के लिए उसे राज्य सरकार की पूर्व अनुमति लेनी होगी। गौरतलब है कि बंदरगाह का स्वामित्व सरकार के पास है। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन (जिनके कार्यकाल में बंदरगाह बना) ने भी पुष्टि की है कि अनुबंध में उपरोक्त शर्त शामिल है। केरल सरकार का कहना है कि विझिंजम एक रणनीतिक बंदरगाह है। एक ही विदेशी शिपिंग कंपनी को इतनी बड़ी हिस्सेदारी देने से प्रतिस्पर्धा खत्म होने का खतरा है। इससे सुरक्षा संबंधी पहलू भी जुड़े हैं। अतः इतनी बड़ी हिस्सेदारी बेचने से पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय एवं जहाजरानी मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी लेना भी आवश्यक है। इस मुद्दे पर विवाद बढ़ने के बाद बंदरगाह निर्माता कंपनी- अडानी पोर्ट्स ने दावा किया कि अनुबंध से संबंधित किसी नियम का उल्लंघन नहीं हुआ है। हिस्सेदारी ट्रांसफर की प्रक्रिया को अंतिम मंजूरी के लिए अब सरकार के पास भेजा गया है। मगर इससे यह साफ हो जाता है कि अडानी ग्रुप आश्वस्त है कि सरकार की मंजूरी उसे मिलनी ही है! यह प्रक्रिया महज रस्म-अदायगी है, जिसे पहले नहीं, तो बाद में पूरा किया जाएगा! बहरहाल, अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का है। क्या वे साबित करेंगी कि अनुबंधों में शामिल होने वाली शर्तों का कुछ अर्थ होता है? अथवा, ऐसी शर्तों को ठेंगे पर रखने की प्रवृत्ति बढ़ाने में वे सहायक बनेंगी?

ब्रिक्स देशों में पोषण संवर्धन के लिए खाद्य भंडार

डॉ. स्वाति नायक

जलवायु से जुड़ी चुनौतियों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान अक्सर वैश्विक खाद्य अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं, जिससे ब्रिक्स समूह को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खाद्य भंडारों, जिन्हें अक्सर आपातकालीन स्टॉक के रूप में देखा जाता है, को अब पोषण सुदृढ़ता, स्थिरता और तेज़ी से बदलती बाजार और सामाजिक प्रणालियों के हिसाब से नए सिरे से व्यवस्थित करने की ज़रूरत है। हालांकि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए रणनीतिक भंडार बनाए रखना महत्वपूर्ण है, लेकिन अभी सवाल यह है कि जलवायु और व्यापार की अनिश्चितताओं के साथ-साथ भूख और कुपोषण की लगातार मौजूद समस्याओं के जवाब में किस तरह के भंडार निर्मित किये जाने चाहिए। विश्व बैंक–एफएओ–डब्ल्यूएफपी रिपोर्ट (2025) - खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए रणनीतिक अनाज भंडार को मजबूत करना - मेंबताया गया है कि 2024 में 74 देशोंमें 343 मिलियन लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। यह संख्या कोविड-19 महामारी से पहले के सालों में खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाले लोगों की संख्या से लगभग दोगुनी है। बहु-स्तरीय आर्थिक उथल-पुथल से व्यापार में व्यवधान हुए हैं और भूख में वृद्धि हुई है, इन सभी ने खाद्य सुरक्षा के लिए नए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। 2026 में हालात और भी खराब हो गए। विश्व बैंक के अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल और उर्वरक का परिवहन प्रभावित हुआ है, जो वैश्विक कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। फरवरी से मार्च 2026 के बीच उर्वरकों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई, जिसमें यूरिया की कीमत एक ही महीने में लगभग 46 प्रतिशत बढ़ गई। विश्व खाद्य कार्यक्रम के पूर्वानुमानों के अनुसार, लगातार व्यवधान के कारण 45 मिलियन तक लोग भुखमरी की स्थिति में पहुंच सकते हैं। यह ब्रिक्स देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इनमें से अधिकांश देश प्रमुख कृषि उत्पादक/आयातक और उर्वरक के उपभोक्ता दोनों हैं।

हालाँकि, खाद्य भंडारों के बारे में पारंपरिक सोच अब पुरानी पड़ती जा रही है। पारंपरिक रूप से, खाद्य भंडार बनाने का उद्देश्य मुख्य रूप से कीमतों को स्थिर रखना या अस्थायी कमी से निपटना था। दूसरी ओर, आधुनिक समस्या अधिक जटिल है और इसके लिए ऐसे उपायों की जरूरत है जो न सिर्फ पर्याप्त कैलोरी की गारंटी दें, बल्कि खाद्य के पोषण संतुलित होने, किफायती होने और व्यवधानों के बीच लगातार उपलब्ध होने की भी गारंटी दें। यूरोपीय आयोग की संश्लेषण रिपोर्ट - 'विकासशील देशों में खाद्य और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए खाद्य भंडार का उपयोग' - के अनुसार, खाद्य और पोषण सुरक्षा; अनाज की भौतिक उपलब्धता से कहीं अधिक है। ब्रिक्स देशों के संदर्भ में यह परिवर्तन और भी महत्वपूर्ण बन गया है, जहाँ भरपूर खाद्य संसाधन होने के बावजूद भी खाद्य संकट बरकरार है। उदाहरण के तौर पर, भारत ने 2024 से 2025 की अवधि में रिकॉर्ड 353.96 मिलियन टन अनाज का उत्पादन किया है, साथ ही दुनिया के सबसे बड़े खाद्य नेटवर्क में से एक को बनाए रखा है। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा 'फसल से घर तकः अनाज भंडारण के लिए सुदृढ़ अवसंरचना का निर्माण' विषय पर 2025 में जारी एक पृष्ठभूमि विज्ञप्ति में इस तथ्य का उल्लेख किया गया था। भारत में उभरती हुई भंडार प्रणालियाँ यह दिखाती हैं कि भंडार केवल जमा किए गए अनाज से कहीं ज़्यादा सक्रिय पोषण प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। वैज्ञानिक भंडारण, डिजिटलीकरण, विकेंद्रीकरण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ाव की प्रक्रिया प्रमुख अनाज - चावल और गेहूं - के साथ-साथ दालों, मोटे अनाजों और पोषण वर्धित खाद्य पदार्थों की जैविक पोषण वर्धित किस्मों को शामिल करके भंडार में विविधता लाने का मौका देती है। यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि भारत दुनिया के पोषण परिदृश्य में फसल विविधीकरण को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। इसी तरह, चीन भी अपने भंडारों को लेकर अपनी रणनीति को फिर से व्यवस्थित करने की कोशिश कर रहा है, एक ऐसे दृष्टिकोण के तहत, जो उसके खाद्य प्रणाली में सुदृढ़ता को ध्यान में रखता है। चावल, गेहूँ और मक्का का भारी स्टॉक जमा करने के साथ-साथ, बीजिंग अब स्मार्ट भंडारण, एआई-समर्थित खाद्य निगरानी, कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स और देसी बीजों पर ज़्यादा ध्यान दे रहा है। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में पोषण के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करने पर अधिक ध्यान है, ताकि फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सके और विविध आहार प्राप्त किए जा सकें। रूस ने जो रास्ता अपनाया है, वह भंडार नीति के एक और पहलू का उदाहरण पेश करती है। यह भू-राजनीतिक सुदृढ़ता है। रूस ने खाद्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच स्पष्ट संबंध बनाए हैं, अपने भंडार बढ़ाए हैं, कृषि क्षेत्र के लिए घरेलू उत्पादन पर ध्यान दिया है तथा पश्चिम एशिया और अफ्रीका में अनाज निर्यात और उर्वरकों का भू-राजनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ प्रतिबंध, अलग-अलग व्यापारिक संबंध और निर्यात नियंत्रण आम होते जा रहे हैं, यह एक महत्वपूर्ण बात है।

एक और उदाहरण मौजूद है जो अपने आप में बहुत अहम है – दक्षिण अफ्रीका। संपूर्ण खाद्य उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय, दक्षिण अफ्रीका की समस्याओं को अनाज की किफायती कीमत और पोषण तक पहुँच की कमी के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले में, सरकार का ध्यान पोषण-संवेदनशील सामाजिक सुरक्षा, स्कूलों में खाना खिलाने की योजनाओं, सरकारी खरीद और सामुदायिक खाद्य प्रणालियों मौसम के असर से सुरक्षित बनाने पर जाता है। ऐसी स्थिति में, भंडार अधिकतर व्यापक अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने के साधन के बजाय पोषण कार्यक्रमों को लागू करने का एक उपकरण बन जाते हैं। इसके अलावा, विश्व बैंक–एफएओ–डब्ल्यूएफपी रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि रणनीतिक भंडार तब सबसे प्रभावी होते हैं, जब वे "छोटे, सरल और स्मार्ट" होते हैं और बाज़ार प्रबंधन के बजाय अधिकतर आपातकालीन प्रतिक्रिया पर केंद्रित होते हैं। इसी तरह, यूरोपीय आयोग की रिपोर्ट बताती है कि भंडार का स्तर तो मायने रखता ही है, लेकिन असल में शासन ही यह तय करती है कि भंडार खाद्य सुरक्षा नीति के लक्ष्यों में मदद करेंगे या उन्हें नुकसान पहुँचाएँगे।

यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका प्रभाव 'ब्रिक्स देश अपनी खाद्य सुरक्षा स्थिति में सुधार करने के लिए कैसे सहयोग कर सकते हैंO पर पड़ता है। कई देशों के साझा भंडार निर्मित करने के बजाय, जिन्हें बनाना राजनीतिक रूप से मुश्किल और लॉजिस्टिक्स के लिहाज़ से असंभव है, ब्रिक्स के लिए एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय तालमेल प्रणाली का निर्माण बेहतर हो सकता है, जो डेटा आदान-प्रदान, समन्वित इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, शुरुआती चेतावनी प्रणाली, सरकारी खरीद मानक नियम और भंडारण अवसंरचना को बेहतर बनाने पर केंद्रित हो। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भंडार के भविष्य को पोषण संबंधी विविधता से जोड़ा जाना चाहिए। मुख्य रूप से चावल और गेहूं पर आधारित भंडार छिपी हुई भूख और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के बढ़ते ख़तरे का सामना नहीं कर पाएँगे। स्वस्थ/पोषक तत्वों से भरपूर चावल और गेहूं, जैसे जैविक पोषण वर्धित चावल/गेहूं, दालें, मोटे अनाज और पोषण वर्धित अनाज जैसी चीज़ों का एक विविध मिश्रण सुनिश्चित करने की ज़रूरत है। इससे ब्रिक्स देशों के लिए अपने खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों को सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों से जोड़ना संभव होगा।

भंडारों की योजना बनाते समय जलवायु के हिसाब से सुदृढ़ता सुनिश्चित करना भी ज़रूरी है। बाढ़, सूखा, चक्रवात और लू जैसी घटनाओं के बार-बार होने के कारण, यह सुनिश्चित करना ज़रूरी हो गया है कि इन आपदाओं का असर उत्पादन और भंडारण, दोनों प्रक्रियाओं पर एक साथ न पड़े। इस संदर्भ में, आधुनिक भंडारों के लिए सिर्फ पारंपरिक भंडारों में निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कोल्ड चेन, अलग-अलग जगहों पर बनी भंडारण सुविधाओं, आई-ओ-टी सक्षम निगरानी प्रणालियों और नमी नियंत्रण प्रणालियों में भी निवेश करना जरूरी हो गया है। दुनिया की खाद्य भंडारण नीति को बदलने में मदद करने के लिए ब्रिक्स देश सबसे अच्छी स्थिति में हैं। सामूहिक रूप से, वे दुनिया के अनाज उत्पादन, उर्वरक उपयोग, कृषि व्यापार और जोखिम में रहने वाले समुदायों के मामले में में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। सही योजना के साथ, उनकी भंडारण सुविधाओं को केवल आपातकालीन व्यवस्था के स्थान पर सुरक्षित पोषण, मौसम में बदलाव का सामना करने और भू-राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने वाली प्रणाली में बदला जा सकता है।

भविष्य के खाद्य भंडार की सफलता केवल उनके भंडारण सुविधा में रखे अनाज की मात्रा पर निर्भर नहीं करेगी। इसके बजाय, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वे संकट के समय समाज को स्थिर रखने में कितनी मदद कर सकते हैं, गरीब लोगों के लिए अच्छे पोषण के परिणाम कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं, क्षेत्रीय खाद्य उत्पादन प्रणाली को कैसे मजबूत कर सकते हैं और कमजोर वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता को किस प्रकार कम कर सकते हैं। इसलिए, ब्रिक्स देशों के लिए खाद्य भंडार का सवाल यह नहीं होना चाहिए कि अधिक भोजन कैसे पैदा करें, बल्कि यह होना चाहिए कि स्मार्ट, पोषण-केंद्रित भंडार कैसे बनाए जाएं।

(लेखिका सीड सिस्टम्स और प्रोडक्ट मैनेजमेंट की दक्षिण एशिया प्रमुख तथा इंडिया कंट्री मैनेजर (अंतरिम) हैं नॉर्मन बॉरलॉग फील्ड पुरस्कार विजेता (विश्व खाद्य पुरस्कार) 2023, अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान।)

श्रीकृष्ण को लेकर टिप्पणी और इस्लाम की राजनीतिक आकांक्षाएं

हृदयनारायण दीक्षित

सामान्य झूठ जब कब चलता ही रहता है, लेकिन इतिहास के तथ्यों को नकारते हुए महाझूठ बोलने की ताजी घटना काफी चर्चा में है। मौलाना जरजिस अंसारी ने झारखंड में एक कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण को पक्का मुसलमान बताया और उन्हें 5 वक्त का नमाजी भी बताया। इस टिप्पणी को लेकर एक एफआईआर लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली में दर्ज हुई है। इस बयान में महाझूठ का सहारा लिया गया है। वीडियो वायरल होने से खबर सब तरफ फैल गई है लेकिन अधिकांश लोगों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

ठीक बात है इस टिप्पणी को गंभीरता से लेने की कोई आवश्यकता भी नहीं। इसी बहाने श्रीकृष्ण को पक्का मुसलमान बताने के दावों की तहकीकात व थोड़ी-सी पड़ताल जरूरी है। भारत में इस्लाम आठवीं शताब्दी में मोहम्मद बिन कासिम के हमले के साथ आया। इस्लाम का उदय ही सातवीं शताब्दी में हुआ था। महाभारत युद्ध का काल कम-से-कम तीन हजार साल पुराना है। महाभारत का युद्ध कौरवों और पाण्डवों के बीच लड़ा गया था। युद्ध भूमि में कौरव और पाण्डव आमने-सामने थे। श्रीकृष्ण इस युद्ध में पाण्डवों के पक्षधर होकर प्रकट हुए। उन्होंने युद्ध में हिस्सा नहीं लिया। विषादग्रस्त अर्जुन को तत्वज्ञान, कर्मयोग और राष्ट्रधर्म की शिक्षा दी थी। श्रीकृष्ण के समय इस्लाम का जन्म भी नहीं हुआ था। मौलाना किस आधार पर उन्हें सच्चा नमाजी बता रहे हैं। इस्लाम की व्याख्या इस आलेख का विषय नहीं है। मौलाना के वक्तव्य से पता चलता है कि उन्होंने गीता का कम-से-कम एक श्लोक पढ़ा है और उसी को आधार बनाकर श्रीकृष्ण को पक्का मुसलमान बताने की कोशिश की है। इस्लाम की राजनीतिक आकांक्षाएं बड़ी हैं। धर्मांतरण कराकर अपनी संख्या बढ़ाना उनके यहां पवित्र माना जाता है। मौलाना ने इसी तर्ज पर श्रीकृष्ण को भी धर्मांतरित कर लिया है। वे खुश हैं कि गीता दर्शन के वक्ता श्रीकृष्ण भी धर्मांतरित किए जा रहे हैं। हिन्दू अपने देवताओं के प्रति सजग आस्था रखते हैं। बहुत संभव है कि कोई और मौलवी श्रीराम और हनुमान को भी पक्का नमाजी बताने लगे। इस दृष्टि से मौलाना का वक्तव्य महत्वपूर्ण है। मौलाना ने अपनी बात के समर्थन में श्रीमद्भगवद्गीता के छठे अध्याय के दसवें श्लोक का हवाला देकर कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण पांचों वक्त की नमाज पढ़ते हैं। मूलभूत प्रश्न है कि जब इस्लाम था ही नहीं तब इबादत की बात कहाँ से आई।

गीता में कई विचार हैं। भक्ति है। योग है। सन्यास है और प्रत्यक्ष भौतिकवाद भी है लेकिन योगी की प्रतिष्ठा उल्लेखनीय है। श्रीकृष्ण योग साधना की प्रशंसा करते हुए साधना की विधि भी बताते हैं। मौलाना द्वारा इस्तेमाल किए गए छठवें अध्याय के दसवें श्लोक में श्रीकृष्ण योग की विधि बताते हैं। योगी युञ्जीत सततमात्मानं रहसि स्थितः। एकाकी यतचित्तात्मा निराशीरपरिग्रहः ।। (6.10) बताते हैं, "योगी को एकांत में रहकर स्वयं को एकाग्र करते हुए सतत आत्मवान होना चाहिए। उसे सभी इच्छाओं और संग्रही भाव से मुक्त रहना चाहिए।" (वही 10) यहां योग विज्ञान की सुस्पष्ट झांकी है। मूल श्लोक का 'सततम्' शब्द ध्यान देने योग्य है। योग अभ्यास निरंतर साधना से ही सफल होता है। यहां सततम् का अर्थ गहन निरंतरता है। इसी तरह 'निराशी' का अर्थ हारा हुआ निराश व्यक्ति नहीं है। वह योग के प्रति गहन आशा से परिपूर्ण लेकिन सांसारिक इच्छाओं के प्रति बोधपूर्वक निराशा है। आशा बहुमूल्य धारणा है। आशा में स्वयं के प्रति विश्वास होता है, अस्तित्व के प्रति भरोसा रहता है। ईश्वर या परमात्मा की आस्था वाले लोगों की आशा और भी बेहतर होती है, उन्हें परमात्मा पर विश्वास होता है।

गीता में ज्ञान और विज्ञान दोनों का विश्लेषण है। विज्ञान अस्तित्व के गूढ़ नियमों की जानकारी देता है और ज्ञान स्वयं का बोध है। दोनों की सम्यक जानकारी और योग की साधना सांसारिक फलों के प्रति निराशी बनाती है और आत्मबोध के प्रति भरपूर आशा जगाती है। गीता का योग सहज है। सतत आत्मवान होना और निराशी भाव से युक्त होना इसकी सामान्य भूमिका है।

गीता का अधिकांश हिस्सा योग प्रधान है। यहाँ सूक्ष्म विश्लेषण वाला सांख्य दर्शन भी साख्य योग है। भक्ति योग है। कर्मयोग भी है। योग परिपूर्ण विज्ञान है। विज्ञान का कोई पंथ, मत, मजहब नहीं होता। यहाँ भाव और बिना जाने विश्वास का कोई स्थान नहीं होता। दर्शन वैज्ञानिक निष्कर्षों का सहयोग लेता है। विज्ञान से आगे निकल जाता है। दर्शन वैज्ञानिक निष्कर्षों का सहयोग लेता है। विज्ञान जहाँ विश्रांत होता है, दर्शन वहीं से कुलांचे भरता है, अज्ञात में भी छलांग लगाता है। विज्ञान और दर्शन में दूरी बनी रहती है। आस्था और तर्क भी साथ-साथ नहीं चलते पर भारतीय द्रष्टा ऋषियों ने कमाल किया है। योग विज्ञान में विज्ञान और दर्शन गलबहियाँ डालते हैं, साथ-साथ चलते हैं। भारतीय योग अनुभूत दर्शन है और विज्ञान भी है। यह परिपूर्ण व्यवहार शास्त्र है। यहाँ अनुभव का विज्ञान है और अनुभूति का दर्शन है। यहाँ राग विराग और मायामोह के अवसर नहीं हैं। जानो, करो, देखो, समझो। योग प्रत्यक्ष दर्शन है। योग आनंद का विज्ञान है। दुख और तनाव सम्पूर्ण विश्व की समस्या है। मनुष्य चित्त रहस्यपूर्ण संरचना है। यह द्रव्य नहीं है, वरना विज्ञान की पकड़ में आ जाता। यह मनुष्य शरीर का सूक्ष्मतम मगर अदृश्य हिस्सा है। मन ही सुख और दुख के अनुभव करता है। यूरोपीय दृष्टि में दुख का कारण आर्थिक अभाव है। भोग सुख है, ज्यादा भोग ज्यादा सुख हैं। भारतीय दर्शन में दुख का कारण अविद्या अज्ञान हैं। भोग सुख नहीं देते, ज्यादा भोग और ज्यादा लोभ देते हैं। लोभ में बाधा से क्रोध आता है। क्रोध बुद्धिनाशी है। बुद्धिनाश से स्मृतिक्षय होती है। मनुष्य तनावग्रस्त होता है। गीता सुख-दुख मुक्त जीवन दर्शन देती है। गीता का योग-दर्शन अनूठा है।मौलाना को मलाल होगा कि इस्लामी इतिहास में श्रीकृष्ण जैसा नायक नहीं है। हो भी नहीं सकता था। देवता सभी सभ्यताओं में हैं लेकिन ज्यादातर देवता उदास हैं। श्रीकृष्ण नाचते देवता हैं। युद्धभूमि में जाते हैं लेकिन युद्ध में हिस्सा नहीं लेते। मित्र अर्जुन का विषाद प्रसाद बनाते हैं।

भारत में योग की हजारों विधियां थीं। पतंजलि के योग सूत्रों में योग विज्ञान का दर्शन है। गीता में योग साधना के सभी आयामों पर प्रकाश डाला गया है। मौलाना को चाहिए कि वो गीता का पाठ करें और गीता का वास्तविक अर्थ समझने का प्रयास करें। गीता के अंतिम अध्याय में मानने या न मानने की छूट दी गई है। गीता (अध्याय 18) में श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि, "यह गुप्त और योग ज्ञान हमने तुझे विस्तार से बताया है। इस पर विचार करो और जो ठीक लगे वो करो।"

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

मेष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपके लिए शुभ समाचार लाएगी। आज प्रबंधन और मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज बड़ा इनाम या सराहना मिल सकती है ,आज व्यापारियों के लिए मुनाफे का योग बन रहा है। आज घर की सुख-सुविधाओं से जुड़ी जरूरतें पूरी करने के लिए आज आप कुछ खास प्रयास करेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके जीवन में नयी खुशियांआयेंगी। आज जो युवा घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनका दिन बेहतर गुजरेगा। विद्यार्थी आज कुछ विशेष ऐक्टीविटीज करेंगे आपको शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को किसी काम के लिए प्रोत्साहनमिल सकता है पदोन्नति के असार है।

मिथुन राशि : आज आपका दिन शुभफलदायक रहेगा। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं। आज निवेश से जुड़ी गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और सीनियर्स का सपोर्ट मिलेगा ,उनके अनुभव और सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होंगे। आज संतान को करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है।

कर्क राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको उचित समय की पहचान करनी होगी क्योंकि सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से आज मजबूत होंगे। आज पारिवारिक वातावरण खुशनुमा रहने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिए आज आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

सिंह राशि : आज आपका दिन मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। किसी नजदीकी मित्र से मुलाकात आज मन को खुशी देगी और खास विषयों पर विचार-विमर्श भी होगा। आज मोबाईल स्क्रीन टाइम काम करें अन्यथा आपके बहुत से काम अधूरे रह सकते हैं। आज समय सीमा को ध्यान में रखकर काम करने से स्थिति बेहतर होगी और आप खुद पर भी ध्यान दे पायेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन पहले की अपेक्षा काफी बेहतर रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे। किसी काम के लिए कई दिनों से की जा रही मेहनत का परिणाम आज आपको मिल सकता है। आज आपको बिजनेस में बड़े बेटे का सहयोग मिलेगा।

तुला राशि : आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहेगा। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का बुलावा आ सकता है। आप सबको अपनी बातों से इम्प्रेस करने में सफल रहेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उन्हें आज सफलता मिलेगी साथ ही आपको खूब मान-सम्मान भी मिलेगा जिससे कुछ नये लोग आपसे जुड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि : आज आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी जिससे आपकी समस्त गतिविधियां भी व्यवस्थित होती जाएंगी। उधार दिए हुए पैसों की आज वापसी संभव है। किसी काम की शुरुआत नये सिरे से कर सकते हैं। ऑफिस में सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। बॉस आज आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे।

धनु राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक लाभ दिलवा सकती है। आज आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा,आपको समाज के कुछ अच्छे लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा। आज आप किसी सरकारी संस्था के काम में अपना सहयोग दे सकते हैं आपको उस काम के लिए सर्टिफिकेट भी मिल सकता है।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए शुभ अवसर प्रदान करने वाला रहेगा। अगर आज आप बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो उसमे निश्चित ही सफल होने के योग बन रहे हैं आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए। आज आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में कुछ समय लग सकता है।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरु करेंगे, उसमें सफल जरूर होंगे। दोस्तों के साथ आज कहीं घूमने जाने का अवसर मिलेगा। आज विदेश से नौकरी के लिए आपको बढ़िया पैकेज वाला ऑफर मिल सकता है। जो छात्र विज्ञान में रुचि रखते हैं।

मीन राशि :आज आपको जीवन में कुछ खास मौके मिल सकते हैं। आज आपको किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है, जो आपके काम की नई शुरुआत में आपकी मदद करेगा। आज आर्थिक स्तर पर आप मजबूत बने रहेंगे। आपकी व्यवसायिक परियोजना पूरी हो सकती है। आज आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे।

सिंधु सभ्यता पर पाकिस्तान का दावा, कहीं छिपा एजेंडा तो नहीं?

कौशल मूंदड़ा

सिंधु सभ्यता को लेकर पाकिस्तान द्वारा हाल ही में अपनाए जा रहे रुख ने भारत के इतिहासकारों, पुराविदों और सांस्कृतिक विरासत के विशेषज्ञों के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है। यदि समय रहते इस विषय पर तथ्याधारित अंतरराष्ट्रीय विमर्श नहीं हुआ तो यह विवाद केवल सांस्कृतिक दावेदारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विश्व इतिहास की सबसे प्राचीन नगरीय सभ्यताओं में से एक के स्वरूप, नाम और ऐतिहासिक व्याख्या को प्रभावित करने का प्रयास भी बन सकता है।

किसी भी प्राचीन सभ्यता का मूल्यांकन आधुनिक राजनीतिक सीमाओं के आधार पर नहीं किया जा सकता। सिंधु सभ्यता का विकास उस समय हुआ था, जब न भारत एक आधुनिक राष्ट्र-राज्य था और न ही पाकिस्तान का अस्तित्व था। इसलिए किसी वर्तमान राष्ट्र द्वारा उस पूरी सभ्यता पर विशिष्ट स्वामित्व का दावा करना इतिहास की स्थापित पद्धति के अनुरूप नहीं माना जा सकता।पाकिस्तान लंबे समय से मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसे अपने भूभाग में स्थित पुरास्थलों को राष्ट्रीय विरासत के रूप में प्रस्तुत करता रहा है, जो स्वाभाविक भी है। किंतु हाल के वर्षों में जिस प्रकार 'पांच हजार वर्ष पुराना पाकिस्तान' जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा दिया गया है तथा सिंधु सभ्यता को पाकिस्तान की ऐतिहासिक पहचान के मूल आधार के रूप में प्रस्तुत करने के प्रयास दिखाई दिए हैं, उन्होंने नई बहस को जन्म दे दिया है। जबकि, पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान का अस्तित्व ही सन् 1947 से है।

इस विषय पर चिंतन की आवश्यक इसलिए भी है क्योंकि पाकिस्तान पिछले कुछ समय से लगातार ऐसे बयान जारी कर रहा है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा के बाद 2025 के उत्तरार्ध में पाकिस्तान ने 'इंडस' विरासत को राष्ट्रीय पहचान से जोड़ने वाले अभियानों को गति देना शुरू कर दिया। जून 2026 में सिंधु जल संधि विवाद के समानांतर पाकिस्तान ने सिंधु सभ्यता को अधिक प्रमुखता से प्रस्तुत करना शुरू किया। हाल ही, जुलाई 2026 में इस्लामाबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में सिंधु जल और सांस्कृतिक विरासत के मुद्दे को साथ रखकर भारत की आलोचना की गई।

इतिहास केवल भूगोल नहीं, स्मृति भी हैः इतिहास को समझने के लिए केवल वर्तमान मानचित्र पर्याप्त नहीं होते। समय के साथ कई नगरों, नदियों, क्षेत्रों और सांस्कृतिक केंद्रों के नाम बदलते रहे हैं। यदि इन परिवर्तनों को ऐतिहासिक संदर्भ से अलग कर देखा जाए तो आने वाली पीढ़ियों के सामने इतिहास की वास्तविक निरंतरता धुंधली पड़ सकती है। जो विद्यार्थी और शोधार्थी इतिहास विषय के हैं, वे प्राचीन नामों और उनके आधुनिक रूपों का अध्ययन करते हैं, किंतु इतिहास से इतर विषयों के अधिकांश विद्यार्थियों के लिए यह जानकारी नई हो सकती है कि आज की नीलम घाटी प्राचीन ग्रंथों में किशनगंगा के नाम से वर्णित है और आज का काबुल भारतीय प्राचीन ग्रंथों में कुबा के नाम से अपना स्थान रखता है। श्रीनगर स्थित शंकराचार्य मठ का पर्वत आज तख्त-ए-सुलेमान के नाम से भी जाना जाता है। इसी तरह, लायलपुर आज फैसलाबाद कहलाता है। सांकल का वर्तमान नाम सियालकोट है। वितस्ता का आधुनिक नाम झेलम है। आस्किनी आज चिनाब कहलाती है। प्राचीन हरिरुद को आज हेलमंड के नाम से जाना जाता है। गांधार का आधुनिक रूप कंधार है। वराहमूल आज बारामूला कहलाता है।

नामों के इन परिवर्तनों को समझे बिना प्राचीन ग्रंथों और पुरातात्विक साक्ष्यों का समुचित अध्ययन संभव नहीं है। यही कारण है कि किसी सभ्यता की पहचान को केवल आधुनिक नामों और वर्तमान राजनीतिक सीमाओं के आधार पर परिभाषित करना ऐतिहासिक दृष्टि से अधूरा माना जाता है।

सिंधु सभ्यता का वास्तविक विस्तार :वरिष्ठ पुरातत्वविद व साहित्य संस्थान के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. जीवन सिंह खरकवाल कहते हैं कि सिंधु सभ्यता का विस्तार वर्तमान पाकिस्तान, भारत तथा अफगानिस्तान के कुछ भागों तक था। इसके प्रमुख नगर मोहनजोदड़ो और हड़प्पा आज पाकिस्तान में स्थित हैं, जबकि धोलावीरा, राखीगढ़ी, लोथल, कालीबंगन, बनावली सहित 900 से अधिक महत्वपूर्ण पुरास्थल भारत में हैं, जबकि पाकिस्तान में 600 ही हैं। ज्ञात पुरास्थलों की संख्या के आधार पर भी भारत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। उनका मानना है कि यह सभ्यता किसी एक आधुनिक राष्ट्र की नहीं, बल्कि पूरे उत्तर-पश्चिम भारतीय उपमहाद्वीप की साझा सांस्कृतिक विरासत है।

क्या केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति है या उससे आगे की तैयारी? : चिंता केवल इस बात तक सीमित नहीं है कि पाकिस्तान अपने भूभाग में स्थित पुरास्थलों को प्रचारित कर रहा है। उनकी वास्तविक चिंता यह है कि कहीं यह प्रयास धीरे-धीरे इतिहास की नई व्याख्या स्थापित करने की दिशा में तो नहीं बढ़ रहा। सभ्यता अध्ययन केन्द्र नई दिल्ली के सह निदेशक डॉ. विवेक भटनागर का मत है कि यदि किसी सभ्यता की उत्पत्ति, उसके सांस्कृतिक आधार और उसके भौगोलिक विस्तार को क्रमशः नए राजनीतिक आख्यानों के अनुरूप प्रस्तुत किया जाने लगे, तो भविष्य में अंतरराष्ट्रीय विमर्श प्रभावित हो सकता है। इसी कारण वे इस विषय को गंभीरता से लेने की आवश्यकता पर बल दे रहे हैं। इतिहास में कई उदाहरण ऐसे मिलते हैं, जहां लंबे समय तक दोहराए गए राजनीतिक आख्यान बाद में सामान्य धारणा का रूप ले गए। इसलिए सिंधु सभ्यता जैसे वैश्विक महत्व के विषय पर तथ्यात्मक और प्रमाण-आधारित विमर्श अत्यंत आवश्यक है।

नाम बदलने की आशंका भी?: यह आशंका भी है कि यदि किसी सभ्यता की पहचान को नए राजनीतिक आख्यानों से जोड़ने का प्रयास जारी रहा, तो भविष्य में उसके नाम, सांस्कृतिक स्वरूप अथवा ऐतिहासिक प्रस्तुतीकरण में भी परिवर्तन की कोशिश की जा सकती है। यद्यपि ऐसा कोई आधिकारिक कदम अब तक सामने नहीं आया है, फिर भी इस संभावना को पूरी तरह नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। विश्व विरासत से जुड़े विषयों में समय रहते तथ्यात्मक हस्तक्षेप और अकादमिक संवाद आवश्यक होता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध और संवाद की मांग : सिंधु सभ्यता जैसे विषय को भारत-पाकिस्तान के द्विपक्षीय विवाद के रूप में नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की साझा धरोहर के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए यूनेस्को, अंतरराष्ट्रीय पुरातत्व संस्थानों और इतिहास शोध संस्थाओं के स्तर पर व्यापक विमर्श, संयुक्त शोध और प्रमाण-आधारित अध्ययन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इतिहास का संरक्षण भावनाओं से नहीं, बल्कि पुरातात्विक साक्ष्यों, अभिलेखों, वैज्ञानिक अनुसंधानों और प्रमाणित स्रोतों के आधार पर होना चाहिए। यदि किसी प्रकार का पुनर्लेखन या एकपक्षीय व्याख्या सामने आती है तो उसका उत्तर भी तथ्यों और शोध के माध्यम से ही दिया जाना चाहिए।

महती आवश्यकता है भारत सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करे तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के पुरातात्विक और ऐतिहासिक साक्ष्यों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

पी.वी. सिंधु ने रचा इतिहास, अकाने यामागुची को हराकर जीता जापान ओपन 2026 का खिताब

एजेंसी, टोक्यो

भारत की स्टार शटलर पी.वी. सिंधु ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की अकाने यामागुची को सीधे गेमों में हराकर जापान ओपन 2026 महिला एकल का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।

फाइनल मुकाबले में सिंधु ने आक्रामक स्मैश, सटीक ड्रॉप शॉट और बेहतरीन कोर्ट कवरेज का प्रदर्शन करते हुए घरेलू खिलाड़ी यामागुची को 21-17, 21-17 से मात्र 50 मिनट में पराजित किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 खिताब भी जीत लिया। 31 वर्षीय सिंधु के लिए यह सिंगापुर ओपन सुपर 500 (2022) के बाद पहला बड़ा खिताब है। पिछले दो वर्षों में चोटों के कारण उन्हें कई कठिन दौर से गुजरना पड़ा था और वह अपनी लय व निरंतरता हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही थीं। जापान ओपन का यह खिताब उनके शानदार वापसी का प्रमाण है।

इस जीत के साथ सिंधु ने तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची के खिलाफ अपने आमने-सामने के रिकॉर्ड को 16-14 कर लिया। इससे पहले उन्होंने यामागुची को 2022 थाईलैंड ओपन में पूर्ण मुकाबले में हराया था। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। मध्यांतर तक यामागुची दो अंकों की बढ़त पर थीं, लेकिन इसके बाद सिंधु ने अपने खेल का स्तर ऊंचा किया और लगातार दबाव बनाया। 17-15 के स्कोर पर दोनों खिलाड़ियों के बीच 38 शॉट की शानदार रैली हुई, जिसमें यामागुची ने बेहतरीन रक्षण किया। हालांकि 17-17 की बराबरी के बाद सिंधु ने लगातार चार अंक जीतकर पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और 8-3 तथा फिर 14-7 की मजबूत बढ़त बना ली।

यामागुची ने अंतिम चरण में वापसी करते हुए स्कोर 19-17 तक पहुंचाया, लेकिन सिंधु ने संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर मैच तथा खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ पी.वी. सिंधु ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह विश्व बैडमिंटन की सबसे बड़ी खिलाड़ियों में शामिल हैं और आने वाले बड़े टूर्नामेंटों के लिए भी उन्होंने अपने मजबूत इरादों का संकेत दे दिया है।

एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप में भारत की नजर खिताब पर

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीमें उद्घाटन एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन के इरादे से मैदान में उतरेंगी। ओमान के मस्कट में 20 से 25 जुलाई तक होने वाला यह टूर्नामेंट उद्घाटन एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए एशियाई क्वालीफायर भी होगा। इस प्रतियोगिता में एशिया की उभरती हुई सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेंगी और महाद्वीपीय खिताब के साथ विश्व कप का टिकट हासिल करने के लिए मुकाबला करेंगी। सरदार सिंह के मार्गदर्शन में भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम हाल ही में अंडर-18 एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ टूर्नामेंट में उतर रही है। भारत ने फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। टीम को एलीट पूल में मेजबान ओमान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। पूर्व भारतीय कप्तान रानी की कोचिंग में भारतीय सब-जूनियर महिला टीम भी प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेगी। यह टीम अंडर-18 महिला एशिया कप 2026 में कांस्य पदक जीत चुकी है। महिला टीम को एलीट पूल में चीन, कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 जुलाई को करेगा। महिला टीम पहले कजाकिस्तान से भिड़ेगी, जबकि पुरुष

टीम शाम को बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। इसके बाद पुरुष टीम 21 जुलाई को ओमान और पाकिस्तान का सामना करेगी तथा 23 और 24 जुलाई को इन्हीं टीमों के खिलाफ वापसी मुकाबले खेलेगी। महिला टीम 21 जुलाई को चीन और उज्बेकिस्तान से भिड़ेगी, जबकि 23 जुलाई को दोबारा कजाकिस्तान और 24 जुलाई को चीन तथा उज्बेकिस्तान के खिलाफ वापसी मैच खेलेगी। वर्गीकरण मुकाबले 25 जुलाई को होंगे। टूर्नामेंट में एलीट पूल के मुकाबले डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेले जाएंगे। लीग चरण की शीर्ष दो टीमें सीधे स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचेंगी, जबकि तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम कांस्य पदक मुकाबले के लिए क्वालीफाई करेगी। भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच सरदार सिंह ने कहा, "अंडर-18 एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर खिलाड़ियों ने यह अवसर हासिल किया है।

हम कोच डिडिएर डेशां को जीत के साथ विदाई देना चाहते थे: एम्बाप्पे

एजेंसी, मियामी

फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले में इंग्लैंड से 6-4 की हार के बाद फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने कहा कि टीम अपने विदाई ले रहे मुख्य कोच डिडिएर डेशां को जीत के साथ विदाई देना चाहती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी टीम पहले हाफ में पूरी तरह बिखर गई थी, लेकिन दूसरे हाफ में खिलाड़ियों ने फिर विश्व स्तरीय प्रदर्शन किया। मियामी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले

हाफ में 4-0 की बढ़त बना ली थी। डेक्लान राइस, एजरी कॉन्सा और बुकायो साका (दो गोल) ने इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। विश्व कप इतिहास में यह पहला अवसर था जब फ्रांस ने किसी एक हाफ में चार गोल खाए। मैच के बाद एम्बाप्पे ने कहा, "मैच के दो बिल्कुल अलग-अलग हिस्से थे। पहले हाफ को देखकर मैं समझ सकता हूं कि कुछ लोगों को लगा होगा कि हमने खुद को हास्यास्पद बना लिया और फ्रांस की जर्सी का सम्मान नहीं किया। लेकिन मैं कहूंगा कि हम इंसान हैं, हालांकि इस स्तर पर हमें ऐसी गलती की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। हम पूरी तरह हिल गए थे और इंग्लैंड ने हमें झकझोर कर रख दिया।" उन्होंने आगे कहा, "दूसरे हाफ में हम फिर वही शीर्ष स्तर के खिलाड़ी बन गए, मानसिक रूप से मजबूत और पूरी तरह तैयार। दुर्भाग्य से हम मैच नहीं जीत सके और इसका सबसे ज्यादा दुख हमारे कोच डिडिएर डेशां के लिए है। हम उनके लिए कुछ खास करना चाहते थे। पहले हाफ को देखकर ऐसा लगा जैसे हमने उन्हें निराश किया, लेकिन हम कभी भी उन्हें ऐसा महसूस नहीं कराना चाहते थे। हालांकि मुझे पूरा विश्वास है कि यह एक मैच डिडिएर डेशां की महान विरासत को कभी धूमिल नहीं करेगा।" चार गोल से पिछड़ने के बाद फ्रांस ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी की। एम्बाप्पे ने दो गोल किए, जबकि ब्रैडली बारकोला ने एक गोल कर स्कोर 4-3 कर दिया।

नरेन-होल्डर की घातक गेंदबाजी से एलए नाइट राइडर्स ने पहली बार जीता मेजर लीग क्रिकेट का खिताब

एजेंसी, ओकलैंड

सुनील नरेन और जेसन होल्डर की शानदार गेंदबाजी के दम पर लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स (एलए नाइट राइडर्स) ने इतिहास रचते हुए पहली बार मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का खिताब अपने नाम कर लिया। ओकलैंड कोलिजियम में स्थानीय समयानुसार शनिवार रात खेले गए रोमांचक फाइनल में एलए नाइट राइडर्स ने गत चैंपियन वॉशिंगटन फ्रीडम को एक रन से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस जीत के साथ एमआई न्यूयॉर्क और वॉशिंगटन फ्रीडम के तीन साल के

दबदबे का भी अंत हो गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एलए नाइट राइडर्स की टीम 19.4 ओवर में 164 रन पर सिमट गई। टीम के लिए आंद्रे फ्लेचर ने 27 गेंदों में 47 रन, कॉलिन मुनरो ने 29 गेंदों में 40 रन और मैथ्यू ट्रॉम्प ने 21 गेंदों में 39 रनों की तेज पारी खेली। वॉशिंगटन फ्रीडम की ओर से बेन ड्वारशुइस ने तीन विकेट, जबकि रचिन रविंद्र और निखिल चौधरी ने दो-दो विकेट लिए। 165 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वॉशिंगटन फ्रीडम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन और कप्तान जेसन होल्डर ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर टीम को दबाव में बनाए रखा। नरेन ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 13 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि होल्डर ने तीन विकेट हासिल किए। हालांकि, ओबस पीनार ने निचले क्रम में 24 गेंदों पर 53 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर मुकाबले को आखिरी गेंदों तक पहुंचा दिया। उन्होंने अकेले दम पर वॉशिंगटन की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन उनकी शानदार पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी।

बिजनेस

भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जल्द ही वैश्विक विकास में इसका छठा हिस्सा होगा: सीतारमण

एजेंसी, मदुरै

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जल्द ही वैश्विक विकास में इसकी हिस्सेदारी एक-छठे हिस्से से ज्यादा होगी। उन्होंने युवाओं और उद्यमियों से जोखिम उठाने और इस योगदान को वैश्विक विस्तार के एक-चौथाई तक ले जाने का आह्वान किया। सीतारमण ने तिमलनाडु के मदुरै में आयोजित यंग इंडियंस फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस (वाईआईएफआई) समिट 2026 के विशेष पूर्ण अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने कहा, "भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। अनुमान है कि आने वाले वर्षों में वैश्विक विकास में हमारा योगदान लगभग 1/6वां हिस्सा होगा।"

सीतारमण ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम अब दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। उन्होंने उद्यमियों से जोखिम उठाने और मौकों का फ़ायदा उठाने का आग्रह किया। वित्त मंत्री ने कहा, "दुनिया में सबसे युवा वर्कफोर्स हमारे पास है। इनमें उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) से मान्यता प्राप्त 2.4 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स ने मिलकर 23 लाख से ज़्यादा डायरेक्ट नौकरियां पैदा की है।" उन्होंने कहा, "हमारे पास 2,100 से ज्यादा वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) हैं, जो मेट्रो शहरों से आगे बढ़ चुके हैं। निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमारा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर एक इंटरनेशनल बेंचमार्क बन गया है। यूपीआई हर महीने 20 अरब से ज्यादा लेन-देन की प्रक्रिया कर रहा है। साथ ही महत्वाकांक्षी और उद्यमी भारतीयों के लिए नए मौके बन रहे हैं, जो रुकावटें कभी टैलेंट और मौकों के बीच थीं, वे धीरे-धीरे कम हो रही हैं।

एपीडा ने जम्मू-कश्मीर से पहली बार सिंगापुर को प्रीमियम चेरी और आलूबुखारे का किया निर्यात

एजेंसी, नई दिल्ली

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जम्मू-कश्मीर के शोपियां और पुलवामा जिलों से पहली बार प्रीमियम अरेको चेरी और सेंटरोज प्लम (आलूबुखारा) की खेप सिंगापुर निर्यात कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस पहल से क्षेत्र के बागवानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच मिलेगी और उनकी आय में 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि यह उपलब्धि जम्मू-कश्मीर के बागवानी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इससे पहले कश्मीर से ताजी चेरी और प्लम का सफल निर्यात संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी और दुबई के बाजारों में किया जा चुका है। अब सिंगापुर जैसे नए और उच्च मूल्य वाले बाजार तक पहुंच बनने से कश्मीर के प्रीमियम शीतोष्ण फलों की वैश्विक पहचान और मजबूत

होगी। मंत्रालय के अनुसार, एपीडा ने मेसर्स ओसुम फूड सॉल्यूशंस एलएलपी तथा मेसर्स फ्रूट मास्टर एग्रो फ्रेश प्राइवेट लिमिटेड, पुलवामा के सहयोग से 16 जुलाई को सिंगापुर के लिए पहली निर्यात खेप को रवाना किया। इस अवसर पर फ्लैग-ऑफ समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें निर्यातकों और संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। मंत्रालय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की अनुकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियां उच्च गुणवत्ता वाले चेरी, प्लम, सेब और अन्य शीतोष्ण फलों के उत्पादन के लिए उपयुक्त हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बढ़ने से स्थानीय किसानों और बागवानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

एचडीएफसी बैंक का पहली तिमाही में मुनाफा पांच फीसदी बढ़कर 19,059.72 करोड़ रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली

निजी क्षेत्र के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 (अप्रैल-जून) की पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित कर दिए हैं। बैंक का एकल आधार (स्टैंडअलोन) पर शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) सालाना आधार पर लगभग पांच प्रतिशत बढ़कर 19,059.72 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 18,155.21 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। चडीएफसी बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि पहली तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय घटकर 92,184 करोड़

रुपये रह गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में यह 99,200 करोड़ रुपये थी। बैंक के अनुसार, एकीकृत (कंसोलिडेटेड) आधार पर पहली तिमाही में शुद्ध लाभ बढ़कर 19,245 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही बैंक की ब्याज आय (इंटरेस्ट अर्न्ड) बढ़कर 79,363 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 77,470 करोड़ रुपये थी। बैंक ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय (नेट इंटरेस्ट इनकम-एनआईआई) सात प्रतिशत बढ़कर 33,530 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 31,440 करोड़ रुपये थी। बैंक के अनुसार, ऋण वितरण में वृद्धि और मजबूत परिचालन प्रदर्शन का सकारात्मक प्रभाव शुद्ध ब्याज आय पर देखने को मिला। तिमाही परिणामों में बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता (एसेट क्वालिटी) में भी सुधार दर्ज किया गया। अप्रैल-जून तिमाही के अंत तक सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (ग्रॉस एनपीए) घटकर कुल ऋण का 1.17 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 1.40 प्रतिशत थी।

आईडीबीआई बैंक को अप्रैल-जून तिमाही में 2115 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बैंक को पहली तिमाही में 2,115 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है, जो सलाना आधार पर पांच फीसदी अधिक है। बैंक ने पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में 2,007 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

आईडीबीआई बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 30 जून को समाप्त पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 8,573 करोड़ रुपये हो गई है, जो वित्त 2025-26 की समान तिमाही में 8,458 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 7,541 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 7,021 करोड़ रुपये थी। बैंक के मुताबिक मुख्य शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 10 फीसदी बढ़कर 3,486 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 3,166 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में बैंक का परिचालन लाभ घटकर 2,168 करोड़ रुपये रह गया, जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 2,354 करोड़ रुपये था। आईडीबीआई बैंक

ने कहा कि बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) भी घटकर इस दौरान 3.61 फीसदी रहा, जो वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 3.68 फीसदी था। बैंक ने कहा कि परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात घटकर सकल ऋण के 2.3 फीसदी पर आ गया है, जो एक साल पहले 2.93 फीसदी था। इसी तरह पहली तिमाही में बैंक की शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनएनपीए) यानी फंसा कर्ज भी घटकर 0.16 फीसदी रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 0.21 फीसदी था। आईडीबीआई बैंक की कुल जमा राशि भी 30 जून, 2026 तक 10 फीसदी बढ़कर 3,25,757 करोड़ रुपये हो गई, जो 30 जून, 2025 को कुल 2,96,782 करोड़ रुपये थी। बैंक की शुद्ध कर्ज राशि 30 जून, 2026 को 22 फीसदी बढ़कर 2,58,968 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि में 2,11,907 करोड़ रुपये थी।

खुशाली कुमार ने दुल्हनिया ले आएगी को बताया अपने करियर का खास किरदार

निर्देशक बोले- हटकर अंदाज में होगी दुल्हन

बॉलीवुड में शादियों के बैकड्रॉप पर बनी पारिवारिक और कॉमेडी फिल्मों का एक अलग ही क्रेज रहा है। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाने और दर्शकों को गुदगुदाने के लिए एक नई फिल्म तैयार है। अभिनेत्री खुशाली कुमार, दिग्गज अभिनेता महेश मांजरेकर और पीयूष मिश्रा की मुख्य भूमिकाओं से सजी अपकमिंग फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का मजेदार ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।

अभिनेत्री खुशाली कुमार अपनी आने वाली फिल्म दुल्हनिया ले आएगी को लेकर काफी चर्चा में है। फिल्म के फर्स्ट लुक से उन्होंने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस कड़ी में उन्होंने अपने लुक और किरदार के बारे में विस्तार से बताया। खुशाली कुमार ने कहा, जैसे ही मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी, मुझे लगा कि यह किरदार मेरे लिए ही बना है। मेरा किरदार कोई साधारण दुल्हन नहीं है, बल्कि उसका व्यक्तित्व बहुत मजबूत है। वह अपने फैसले खुद लेती है, अपने दिल की बात खुलकर कहती है और किसी भी बात को छुपाकर नहीं रखती। यह किरदार बहादुर भी है, भावनात्मक भी है और अपने अंदाज में जीने वाली है, और यही बात मुझे इस फिल्म की तरफ खींच लाई। उन्होंने कहा, फिल्म का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, वह सिर्फ शुरुआत है और असली कहानी इससे कहीं ज्यादा दिलचस्प है। मेरे किरदार में कई परतें हैं, जिन्हें दर्शक फिल्म के साथ धीरे-धीरे समझ पाएंगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस दुल्हन के अलग और अनोखे अंदाज को जरूर पसंद करेंगे। वहीं फिल्म के निर्देशक आकाशदित्य लामा ने भी इस फिल्म को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, दुल्हनिया ले आएगी एक ऐसी कहानी है जो परिवार, रिश्तों और उनके बीच की उलझनों को मजेदार अंदाज में दिखाती है। आज के समय में रिश्तों की जटिलताएं बढ़ गई हैं, और इस फिल्म में उन्हीं भावनाओं को एक मनोरंजक रूप में पेश किया गया है।

निर्देशक ने कहा, फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसका मुख्य किरदार है, यानी दुल्हन। यह दुल्हन पारंपरिक सोच से बिल्कुल अलग है। उसमें आत्मविश्वास है, थोड़ी शरारत है और वह कई बार दर्शकों को चौंका भी देती है। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को जोडने की क्षमता रखती है क्योंकि इसमें हंसी, भावनाएं और परिवार का मेल है। फिल्म के पहले पोस्टर की बात करें तो उसमें खुशाली कुमार दुल्हन के अवतार में नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्राइडल लहंगा पहना हुआ है, लेकिन उसके साथ सनग्लासेस लगाए हुए हैं। यह कॉम्बिनेशन ही फिल्म के किरदार की खासियत को दर्शाता है कि यह दुल्हन साधारण नहीं है, बल्कि अपने अंदाज में जीने वाली लड़की है। यह फिल्म 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जेलर 2 की रिलीज डेट का एलान, बॉक्स ऑफिस पर चिरंजीवी की विश्वंभरा से क्लैश होगी रजनीकांत की फिल्म

जेलर 2 सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली फिल्म है. जेलर को नेल्सन दिलीप कुमार ने डायरेक्ट किया था और सन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था. जेलर 2 इसी फिल्म का सीक्वल है. एक साल से ज्यादा समय से फिल्म की शूटिंग चल रही है, और इस बात की चर्चा बढ़ रही है कि फिल्म रिलीज के लिए तैयार है. इस बीच, फिल्म मेकर्स ने एक बड़ा अपडेट जारी किया है. मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने रजनीकांत के फैंस को बताया कि सरप्राइज मिलने वाला है. इस पोस्ट को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, टाइगर शिकार पर वापस आ गया है. इस पोस्ट ने फैंस की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया. मेकर्स ने जेलर 2 की रिलीज डेट का एलान किया. मेकर्स ने एक दमदार वीडियो शेयर किया और फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा हटाया. वीडियो पोस्ट करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, मेरा मूल सिद्धांत. जेलर 2 15 अक्टूबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी. जेलर 2 दशहरा पर सोलो रिलीज नहीं होगी. सुपरस्टार रजनीकांत की इस फिल्म की टक्कर सीधे चिरंजीवी की बहुप्रतीक्षित फैंटेसी फिल्म विश्वंभरा से होगी. जेलर 2 15 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला के मुताबिक, चिरंजीवी की विश्वंभरा जेलर 2 की रिलीज से ठीक एक दिन बाद यानी 16 अक्टूबर 2026 को बॉक्स ऑफिस दस्तक देगी. बता दें जेलर 2 की शूटिंग पहले ही खत्म हो चुकी है. अप्रैल 2026 को मेकर्स ने सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की थी और फैंस को बताया कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है. नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी इस सीक्वल से उम्मीद है कि इसमें भी वही स्टाइल, मास अपील और जबरदस्त कहानी का मेल देखने को मिलेगा, जिसने पहले भी दर्शकों का दिल जीत लिया था. संगीत की जिम्मेदारी एक बार फिर अनिरुद्ध रविचंदर ने संभाली है, जिनका साउंडट्रैक पहली फिल्म में धमाल मचा दिया था. नेल्सन दिलीप कुमार इस सीक्वल को डायरेक्ट कर रहे हैं. यह सीक्वल ओरिजिनल जेलर की सफलता के बाद आ रहा है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन किया था. अनिरुद्ध, जिनके म्यूजिक ने पहले पार्ट को ब्लॉकबस्टर बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, वे दूसरे पार्ट के लिए भी म्यूजिक दे रहे हैं.

बॉलीवुड की गॉसिप से हमेशा अपडेट रहते हैं निक जोनास

हाल ही में ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनास ने अपनी शादीशुदा जिंदगी से जुड़ा एक ऐसा राज खोला, जिसे सुनकर प्रियंका भी अपनी हंसी नहीं रोक पाईं। सिंगर-एक्टर निक ने बॉलीवुड से जुड़े अपने एक खास शौक का भी खुलासा किया, जबकि

प्रियंका ने उनकी इस आदत को लेकर ऐसी बात कह दी, जिसने फैंस की एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया। निक जोनास ने बताया है कि ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा से शादी के बाद उन्हें जो चीज सबसे ज्यादा पसंद है, वह है बॉलीवुड की चटपटी गॉसिप से हमेशा अपडेट रहना। जोनास ब्रदर्स की नई पॉडकास्ट सीरीज 'हे जोनास!' के एक एपिसोड में, जिसमें निक, प्रियंका चोपड़ा, केविन जोनास और जो जोनास सभी शामिल थे, निक ने मजाक में कहा कि उनकी लगभग आठ साल की शादी का सबसे बड़ा फायदा यह रहा है कि उन्हें बॉलीवुड की ताजा खबरों और गॉसिप के बारे में पता चलता रहता है। उन्होंने बड़े ही मजाकिया अंदाज में कहा, "इन आठ सालों में मुझे जो चीज सबसे ज्यादा पसंद आई, वह है बॉलीवुड की गॉसिप जो मुझे सुनने को मिली।" निक की इस बात पर प्रियंका ने अपने पति की टांग खींचते हुए कहा, "हमारी पूरी शादी में तुम्हें यही सबसे ज्यादा पसंद आया? उनका पूरा फीड गॉसिप से भरा रहता है।" उन्होंने आगे यह भी बताया कि निक को अक्सर बॉलीवुड में होने वाले ब्रेकअप्स के बारे में उनसे पहले ही खबर हो जाती है। प्रियंका ने इस बात को मजाकिया अंदाज में साझा करते हुए कहा, "मुझे पता नहीं चलता कि किसका किसके साथ ब्रेकअप हो गया है और तुम ही मुझे बताते हो। अक्सर ऐसा तब होता है जब मैं किसी को टेक्स्ट कर रही होती हूं और कहती हूं, 'अरे, फलां-फलां को मेरा प्यार देना।' और वह कहते हैं, 'नहीं, उनका ब्रेकअप हो गया है।' और मैं कहती हूं, 'ओह, तो तुम गॉसिप पर नजर रखते हो।' निक ने हंसते हुए यह बात मानी और कहा, 'हां, मैं रखता हूं'।" पॉडकास्ट में मौजूद केविन और जो ने उनसे खुलकर पूछा कि वह किसके अपडेट्स और गॉसिप को फॉलो करते हैं, लेकिन निक ने अपने दोस्तों के नाम बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, "मैं नाम नहीं बता सकता। वे हमारे दोस्त हैं।" निक जोनास ने यह भी माना कि वह चुपके से कुछ बॉलीवुड गॉसिप पेजों को फॉलो करते हैं। उन्होंने आगे कहा, "कुछ ऐसे अकाउंट्स हैं जिन्हें मैं 'घोस्ट फॉलो' करता हूं, जानते हो? वहां कुछ अच्छी गॉसिप मिलती है। ऐसी कई कहानियां होती हैं जिन्हें फॉलो करना पड़ता है।" निक और प्रियंका की प्रेम कहानी भी किसी फिल्म से कम नहीं है। दोनों की पहली मुलाकात 2017 में ऑस्कर की आफ्टर-पार्टी में हुई थी और 2018 में उन्होंने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। उसी साल उनकी सगाई हुई और दिसंबर 2018 में जोधपुर के उमैद भवन पैलेस में उन्होंने शादी की, जिसमें ईसाई और हिंदू दोनों रीति-रिवाजों का पालन किया गया। 2022 में, सरोगेसी के जरिए उनकी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास का जन्म हुआ।

साई पल्लवी-जुनैद खान की फिल्म एक दिन ने ओटीटी पर दी दस्तक, अमेजन प्राइम वीडियो पर हुई स्ट्रीम

साई पल्लवी और जुनैद खान की फिल्म एक दिन डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे चुकी है। आमिर खान प्रोडक्शन द्वारा निर्मित और सुनील पांडे द्वारा निर्देशित यह एक रोमांटिक ड्रामा है, जो 1 मई को सिनेमाघरों में आई थी। इसने दुनियाभर में लगभग 5.08 करोड़ रुपये कमाए थे और बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई। साई की हिंदी डेब्यू फिल्म होने के बावजूद, इसे सिनेमाघरों में दर्शकों का अपेक्षित समर्थन नहीं मिल सका था। आमिर खान ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक दिन की ओटीटी रिलीज का ऐलान किया है। उन्होंने पोस्टर जारी करते हुए बताया कि फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध करा दी गई है। सब्सक्राइबर यूजर्स अपने परिवार के साथ इसका लुत्फ उठा सकते हैं। फिल्म की कहानी 2 युवाओं के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जो प्यार में पड़कर अपनी जिंदगी का एक दिन साथ में बिताते हैं, लेकिन अप्रत्याशित मोड़ उन्हें मुश्किल में लाकर खड़ा कर देता है।

पैपाराजी के हद पार करने पर मौनी रॉय ने दिखाया रौद्र रूप

अभिनेत्री मौनी रॉय फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार उनका रौद्र रूप देखने को मिला। पैपाराजी की हद पार करने वाली हरकतों से बेहद नाराज मौनी रॉय के सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें वह बेहद गुस्से में नजर आ रही हैं। हाल ही में मौनी रॉय और अनुषा दांडेकर एक आउटिंग के बाद अपनी गाड़ी की तरफ लौट रही थीं। लौटते समय फोटोग्राफर्स ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। स्थिति उस वक्त बेकाबू हो गई जब पैप्स उनकी गाड़ी के दरवाजे तक आ गए और जबरदस्ती कैमरे कार के अंदर घुसाने लगे। इस दखलअंदाजी भरी हरकत पर नागिन फेम अभिनेत्री का गुस्सा फूट पड़ा। वीडियो में वह उंगली से इशारा करते हुए पैप्स को डांट लगाती दिख रही हैं, और स्पष्ट रूप से उन्हें कैमरे बंद करने के लिए कह रही हैं। उनकी नाराजगी के बावजूद जब पैप्स नहीं रुके, तो वह और भी झल्ला पड़ीं और जोर से कहा, बंद करो ये सब। यह घटना सेलेब्रिटीज की निजी जिंदगी में बढ़ती दखलअंदाजी के मुद्दे

को एक बार फिर सामने लाई है। आए दिन ऐसी तस्वीरें और वीडियो वायरल होते हैं जहाँ पैपाराजी बिना अनुमति के या अभिनेताओं के मना करने के बावजूद उनकी तस्वीरें लेने की कोशिश करते हैं। एक पब्लिक फिगर होने के बावजूद, हर व्यक्ति की अपनी एक निजी जगह और सम्मान होता है, जिसका उल्लंघन अक्सर हो जाता है। मौनी रॉय का गुस्से में किया गया यह रिएक्शन, कहीं न कहीं, इसी बढ़ती हुई सीमा लांघने की प्रवृत्ति के खिलाफ एक आवाज प्रतीत होता है। वह इस दौरान ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही थीं, और अनुषा दांडेकर भी उनके साथ थीं, जो इस पूरी घटना की साक्षी बनीं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब मौनी रॉय अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में बनी हुई हैं।

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों का उपयोग करने से मिल सकते हैं ये फायदे

आजकल बाजार में प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों की भरमार है। ये उत्पाद न केवल त्वचा की देखभाल करते हैं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी अच्छे होते हैं।

इनका उपयोग करने से त्वचा को प्राकृतिक पोषण मिलता है और हानिकारक रसायनों से बचाव होता है। इस लेख में हम जानेंगे कि प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों का उपयोग कैसे फायदेमंद हो सकता है और इन्हें अपनी दिनचर्या में कैसे शामिल किया जा सकता है। प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों में हानिकारक रसायनों की मात्रा बहुत कम होती है या बिलकुल नहीं होती। इससे आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचने का खतरा नहीं रहता। रसायनों वाले उत्पादों से त्वचा पर जलन, खुजली या एलर्जी हो सकती है। इसलिए प्राकृतिक और

जैविक उत्पादों का चयन करना बेहतर होता है। ये उत्पाद आपकी त्वचा को प्राकृतिक रूप से पोषण देते हैं और उसे स्वस्थ बनाए रखते हैं, जिससे आपकी त्वचा चमकदार और निखरी हुई दिखती है। प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद पर्यावरण के लिए भी अच्छे होते हैं। इनमें किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायन का उपयोग नहीं किया जाता, जिससे पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता। इसके अलावा इन उत्पादों के निर्माण में प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किया जाता है, जो पर्यावरण की सुरक्षा में मदद करता ये उत्पाद आसानी से प्रकृति में घुल जाते हैं और इनके अपशिष्टों को प्रकृति द्वारा आसानी से अवशोषित किया जा सकता है। प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद आपकी त्वचा को प्राकृतिक पोषण प्रदान करते हैं। इनमें विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे गुण होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखते हैं। इन उत्पादों का नियमित उपयोग करने से आपकी त्वचा की चमक बढ़ती है और वह निखरी हुई दिखती है। इसके अलावा ये उत्पाद त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखते हैं, जिससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है। संवेदनशील त्वचा वालों के लिए प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद सबसे अच्छा विकल्प होते हैं। इनमें किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायन नहीं होते, जिससे संवेदनशील त्वचा पर जलन या खुजली नहीं होती। इन उत्पादों का उपयोग करने से संवेदनशील त्वचा को ठंडक मिलती है और वह स्वस्थ रहती है। प्राकृतिक तत्वों से भरपूर ये उत्पाद त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखते हैं, जिससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है। प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद लंबे समय तक प्रभावी रहते हैं। इनके उपयोग से आपको तुरंत परिणाम मिलते हैं, जो आपकी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं। इन उत्पादों का नियमित उपयोग करने से आपकी त्वचा की सेहत में सुधार होता है और वह निखरी हुई दिखती है। प्राकृतिक तत्वों से भरपूर ये उत्पाद त्वचा को गहराई से पोषण देते हैं, जिससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है।

CJI SGPC chief Gursharan Kaur pay respects to Teja Singh Samundri

New Delhi , Agency : Leaders and influencers cutting across party and political lines on Friday recalled the legacy of Teja Singh Samundri, the leading light of the Gurdwara Reform Movement and a prominent founder member of the Shiromani Gurdwara Prabandhak Committee.Leaders and influencers cutting across party and political lines on Friday recalled the legacy of Teja Singh Samundri, the leading light of the Gurdwara Reform Movement and a prominent founder member of the Shiromani Gurdwara Prabandhak Committee.

Hundreds turned out at the Shabad Kirtan ceremony hosted by Delhi L-G Taranjit Singh Sandhu in memory of his grandfather, Teja Singh Samundri, under the aegis of the Delhi Sikh Gurdwara Management Committee.

The programme, held at the historic Gurdwara Rakabganj here, was led by Padma Shri Harjinder Singh Grewal Srinagar Wale. Chief Justice of India Surya Kant was also in attendance.

Among those who paid respects were Delhi Chief Minister Rekha Gupta, members of the Delhi Cabinet and Delhi MPs, including Bansuri Swaraj.

Actor Anupam Kher, ex-RAW chief Samant Goel, former Prime Minister Manmohan Singh's wife Gursharan Kaur, Leader of the Opposition in the Punjab Assembly and senior Congressman Partap Singh Bajwa also attended the ceremony.

Among those who paid their respects were SGPC president Harjinder Singh Dhami, along with several eminent political, religious and social leaders, revered saints, and a large gathering of devotees. The dignitaries fondly recalled the panthic services, farsighted leadership and extraordinary sacrifice of Shaheed Sardar Teja Singh Samundri.

Addressing the congregation, the speakers observed that the martyrdom of Shaheed Sardar Teja Singh Samundri - rendered in defence of the Sikh community's religious freedom, the autonomy of Sikh Gurdwaras and the preservation of Panthic traditions - is inscribed in the golden pages of history. They said his ideals continue to inspire the younger generations to dedicate themselves selflessly to the service of the Panth and society.

PWD plans new drainage link to end recurring waterlogging at Delhi's Dera Mandi

New Delhi , Agency : The Delhi Government on Friday announced a long-term drainage project for the waterlogging-prone Dera Mandi Road aft Following the review, it was decided that the PWD will construct a new precast RCC drain from Dera Mandi Road to Dera Bhati Road, with a further connection to Bandh Road. From there, the water will be pumped into the SSN Marg drain within Delhi. The government said the proposed project is intended to provide a permanent drainage solution and improve stormwater management in the area.

Explaining the reason behind the recurring problem, Parvesh Sahib Singh said, "Mandi Gaon and Dera Gaon lie along the Delhi Haryana border. Years ago, before large-scale urban development and before Gurugram expanded the way it has today, rainwater used to flow naturally through the existing drainage channels. Today, with extensive concrete construction, rapid urbanisation and a significant increase in population, those natural pathways have disappeared. As a result, rainwater and even sewer water accumulate here during heavy rainfall."

He said the government's focus is on addressing long-standing infrastructure gaps through scientific planning and durable engineering works rather than relying only on temporary measures after every spell of rain.

"Our objective is not merely to remove water after every spell of rain, but to create infrastructure that prevents waterlogging in the first place. Every vulnerable location is being assessed, and long-term solutions are being implemented on priority," the minister said. He directed officials to prepare the project proposal on priority and ensure coordination among all agencies so that work can begin at the earliest. He also said ensuring safe and hassle-free movement for residents during the monsoon remains one of the Delhi Government's priorities.

Why was Golcha ousted

New Delhi , Agency : Moments before he was replaced as Delhi Police Commissioner this morning, Satish Golcha was at a "mega plantation drive" with Environment Minister Manjinder Singh Sirsa.Minutes later, the 1994 AGMUT-cadre IPS officer Anurag Kumar, two batches junior to Golcha, took his place as Delhi CP.

The abrupt transition, executed on Friday, caught all senior officials at Delhi Police Headquarters on Jai Singh Road off guard. Golcha had assumed charge on August 22, 2025, and his tenure was to end next year.

This is the second time within a year that the Ministry of Home Affairs, which controls the Delhi Police, has replaced the Delhi Police Commissioner before the completion of the incumbent's tenure, which is usually two years or more.

Sources indicate that there cannot be any single reason behind the move to oust Golcha.

They say various incidents - the handling of the Jantar Mantar protest by the Cockroach Janata Party; Red Fort blast case; security breach at Vidhan Sabha and arrests of police personnel in graft cases by the Central Bureau of Investigation (CBI) could be behind Golcha's sudden exit.

Delhi has also seen a recent sudden spate in the incidents of violent crimes, including stabbings. Sources say a premium is now being placed on intelligence-based policing by placing at the helm a seasoned Intelligence Bureau man in Anurag Kumar.

NGT tells MCD to explain how Ghazipur landfill will be cleared by 2027 when waste is added daily

New Delhi , Agency : National Green Tribunal (NGT) has asked MCD to explain how it plans to clear all legacy waste at the Ghazipur landfill by Dec 2027 when fresh untreated waste continues to be added to the dumpsite every day.

During a hearing on July 6, MCD told the tribunal that 69 lakh MT of legacy waste exists at the Ghazipur landfill site, and this is likely to be cleared by Dec 2027.

The bench headed by NGT chairperson Justice Prakash Shrivastava and expert member Afroz

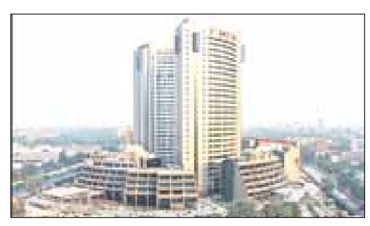

Ahmad took up MCD's submission which said east Delhi generates 2,200-2,400 MT of municipal solid waste daily. Of this, 1,200-1,300 MT is processed. This leaves about 1,000-1,100 MT of untreated fresh waste at the landfill every day.

The tribunal noted that MCD's proposed facilities to bridge the treatment gap would also take time to start operations. MCD is banking on a new 2,000 MTPD waste-to-energy plant that is likely to start processing waste in two-and-a-half-years. A 300 MTPD municipal solid waste compressed biogas plant and a 300 TPD biogas facility would also take considerable time to start operations. "The disclosure shows that till these facilities are operational, the gap in daily generation and treatment will continue to exist and there will be addition to the legacy waste every day in Ghazipur landfill site," the tribunal said.

"Therefore, it needs to be explained on what basis this statement has been made, that by Dec 2027, the entire legacy waste from the Ghazipur landfill site will be cleared," NGT asked.

"It also needs to be clarified that when there is continuous daily addition to the legacy waste, only by referring to the existing 69 lakh MT of legacy waste, can a statement be made that by Dec 2027, the entire legacy waste from the Ghazipur landfill site will be cleared," the bench added.

Cigarette payment leads police to fake currency unit in Mumbai

New Delhi , Agency : A payment made at a shop in lieu of five cigarette packets at Bhalswa Dairy in outer north Delhi led the police to uncover a fake currency printing unit in Navi Mumbai and arrest three persons involved in the illegal activity, the police said on Friday. The accused have been identified as Natraj Mohan Kanchan (62), Vinod Munnilal Jaiswar (38), both residents of Mumbai, and Subhash Chandra (55), a resident of Maksudpur, Delhi. According to the police, the case came to light after Pankaj, who runs a shop in Bhalswa Dairy,

became suspicious of six notes of Rs 100 denomination and informed beat officer HC Prateek about it. The officer then alerted senior officers, following which the police detained Natraj Mohan Kanchan. During interrogation, Kanchan disclosed that he was staying at a hotel at Paharganj, where the police recovered 180 counterfeit notes of Rs 100 denomination and 13 fake notes of Rs 500 denomination. Further questioning revealed that Kanchan had supplied counterfeit currency samples to Subhash Chandra for circulation in different parts of Delhi. Acting on the information, the police apprehended Chandra and recovered 10 counterfeit notes of Rs 100 denomination from his possession. The accused have been identified as Natraj Mohan Kanchan (62), Vinod Munnilal Jaiswar (38), both residents of Mumbai, and Subhash Chandra (55), a resident of Maksudpur, Delhi.

Court seeks CBI response on bail plea of Dinesh Vikas Biwal

New Delhi , Agency : A Rouse Avenue Court on Friday sought the CBI's response to the bail pleas of Dinesh Biwal and Vikas Biwal, who are among the accused arrested in the alleged NEET-UG 2026 paper leak case. Special CBI Judge Ajay Gupta issued notice to the agency and listed the matter for reply and arguments on July 23. Advocate AP Singh appeared for the accused, while Senior Public Prosecutor Neetu Singh accepted notice on behalf of the CBI and sought time to file a reply. Dinesh Biwal and Vikas Biwal are among the 13 accused arrested by the CBI in connection with the alleged leak of the NEET-UG question paper before the scheduled examination. All accused are cur-

rently in judicial custody until July 24. The case stems from an FIR registered on May 12 on the complaint of a government official under various provisions of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS), the Prevention of Corruption Act, and laws relating to the use of unfair means in public examinations. According to the CBI, Mangilal Biwal allegedly approached Shubham Khairnar to procure the NEET-UG question paper for his son, Vikas Biwal. During investigation, the agency reportedly recovered the leaked question paper from Mangilal Biwal's mobile phone. The CBI alleged that Mangilal obtained the paper from Yash Yadav in exchange for Rs 10 lakh. During interrogation, Vikas Biwal stated that he came into contact with Yash Yadav while attending coaching classes in Sikar, Rajasthan. The agency further alleged that Shubham Khairnar first leaked the question paper to Yash Yadav, who then passed it on to Mangilal Biwal. Mangilal subsequently shared it with his sons, Vikas Biwal and Dinesh Biwal, and allegedly sold the leaked paper to several other candidates for 12 lakh each, thereby expanding the network of the accused.

International Seminar Saushrutam 2026 Successfully Concludes In New Delhi

New Delhi , Agency : The three-day international seminar Saushrutam 2026, organised by the All India Institute of Ayurveda (AIIA) in New Delhi, successfully concluded yesterday. The seminar brought together eminent academicians, surgeons and healthcare experts from countries including Thailand, Israel, Austria, the United Kingdom, Sri Lanka, Indonesia, Nepal, Greece and India.

The Ministry of Ayush said participants shared their expertise and experiences in various fields of surgery and healthcare. Experts and faculty members from leading institutions, including AIIA, Banaras Hindu University, the National Institute of Ayurveda, Jaipur, and the Institute of Teaching and Research in Ayurveda, Jamnagar, also took part in the event.

During the seminar, AIIA renewed its Memorandum of Understanding with IIT Delhi for another five years to strengthen collaboration in research and innovation. The Ministry said Saushrutam 2026 marks another important step towards integrating traditional knowledge with modern scientific advancements and promoting a holistic, evidence-based healthcare system.

DDA invites bids for 1.8 MW solar carport projects in city

New Delhi , Agency : The Delhi Development Authority (DDA) has invited bids to set up 1.8 MW of grid-connected solar carport projects across Delhi. The authority has floated the tender under the Renewable Energy Service Company (RESCO) model and has set July 30, 2026, as the last date for the submission of bids. Unlike conventional solar plants that require separate land, solar carports are elevated structures with solar panels installed above parking spaces. They provide shade for parked vehicles while producing electricity that is supplied to the power grid, allowing the same space to serve two purposes. Under the tender, the selected developer will be responsible for the design, procurement, construction, operation and maintenance of the solar carports. Since the project follows the RESCO model, the developer will bear the investment cost of the project and manage its long-term operation, instead of the DDA bearing the upfront cost. After the July 30 deadline, the DDA will carry out technical and financial evaluation of the bids before moving ahead with the project. Interested bidders have also been advised to monitor the DDA portal for any clarifications or amendments related to the technical specifications.